04 - हरियाणा की जीत का असर दूर तक दिखेगा

05 - समुद्र में डूबते देश की अर्थव्यवस्था का आधार

06 - लल्ली चौक से चल समारोह निकलने के बाद प्रशासन-पुलिस ने ली राहत की सांस

07- बुद्धिमान धैर्य पूर्वक कथनों का अर्थ ढूंढकर भगवान की सेवा का...

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 346, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भारत के चीफ जस्टिस डी.वाई.चंद्रचूड़ की चिंता का तर्कशास्त्र?

एन.के. सिंह

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ एक माह बाद रिटायर हो रहे हैं। भूटान के एक लॉ कॉलेज के 'दीक्षा-समारोह' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी चिंता है कि इतिहास उनके योगदान को कैसे आंकेगा। 'मैंने पूरी निष्ठा से देश की सेवा की है। मुझे इस बात की उत्सुकता है कि इतिहास मेरे कार्यकाल का मूल्यांकन कैसे करेगा। मैं दो साल तक देश की सेवा करने के बाद इस नवम्बर में सीजेआई के रूप में पद छोड़ूंगा। मेरा मन भविष्य और अतीत के बारे में आशंकाओं से घिरा है। मैं सोचता हूँ कि क्या मैंने सब पा लिया जिसे पाने का लक्ष्य रखा था? इतिहास मेरे कार्यकाल का मूल्यांकन कैसे करेगा? क्या मैं कुछ अलग कर सकता था? मैं जजों और भावी पीढ़ी के कानूनी पेशवरों के लिए क्या विरासत छोड़ूंगा। इनमें से ज्यादा प्रश्नों के उत्तर मेरे नियंत्रण से बाहर हैं। शायद मुझे कुछ सवालों के जवाब कभी नहीं मिलेंगें।'

व्यक्तिगत चिंता को तार्किक और संस्थागत आयाम देते हुए सीजेआई ने कहा कि जब कोर्ट ने तत्कालीन सरकार द्वारा 2जी स्पेक्ट्रम और कोयला के गैर-कानूनी आबंटन को रद किया या जब एनडीए सरकार (मोदी-1 काल) द्वारा बनाये नेशनल जुडिशल कमीशन कानून को असंवैधानिक ठहराया तो कार्यपालिका के लोगों ने न्यायपालिका पर 'बगैर चुनी और बगैर जवाबदेह संस्था का आतंक' का आरोप लगाया। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि जन-विश्वास का सिद्धांत न्यायपालिका पर कुछ अलग ढंग से अप्लाई होता है, जहां जवाबदेही जन-प्रतिनिधियों की जवाबदेही से अलग होती है।'

जस्टिस चंद्रचूड वर्तमान जुडिशल स्पेक्ट्रम में सबसे अधिक तार्किक और विद्वान माने जाते हैं, लेकिन उनके दोनों 'व्यक्तिगत और संस्थागत' आयाम पर दिए गए तर्क गलत हैं। अगर संस्था में इन-बिल्ट 'अलग किस्म की जवाबदेही' होती तो कलकत्ता हाईकोर्ट का जज पद पर रहते हुए अपने को भाजपा का न बताता और अगले दिन इस्तीफ़ा दे कर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ कर देश की संसद को 'पवित्र' न कर रहा होता। जन-विश्वास तब भी ध्वस्त हुआ जब अयोध्या राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद में भू-स्वामित्व के मूल प्रश्न पर फैसला देने की जगह एससी ने समझौतावादी रुख अपना कर एक पक्ष को कहीं और जमीन लेने का सर्वसम्मत फैसला दिया।

जन-विश्वास का सिद्धांत अलग ढंग से अमल में होता तो इस फैसले के बाद तत्कालीन सीजेआई पद छोड़ने के बाद राज्यसभा की सदस्यता से न नवाजे गए होते, ना ही एक अन्य जज राज्यपाल बनाये गए होते। भारतीय 'जन' की तर्क-शक्ति और समझ को राजनीतिक वर्ग कम आंकता है, क्योंकि वह उसे भावना में डुबो कर कुछ समय तक भ्रमित कर सकता है लेकिन वर्तमान सीजेआई यह भूल न करें। इसी कोर्ट के पद पर रहते हुए एक जज ने प्रधानमंत्री के साथ मंच शेयर करते हुए अपने भाषण में कहा था कि उसे फख्र है 'पीएम के साथ बैठने में'। उसके लिए एक संस्था के चेयरमैन का पद महीनों खाली रखा गया और फिर कानून बदल कर उस पद पर उसे बैठाया गया। जन-विश्वास तब भी टूटा था।

यह अलग बात है कि वर्तमान सीजेआई ने सर्वसम्मत फैसले में अगर सबरीमाला केस में रजस्वला आयु (10-50 वर्ष) महिलाओं को मंदिर में जाना सही ठहराया तो वहीँ अन्य चार जजों से अलग फैसला देते हुए अब्राहिम सिंह बनाम कोमाचेन केस में धर्म के आधार पर वोट माँगने को इसलिए सही ठहराया कि धर्मानुयाइयों की वास्तविक समस्या पर वोट मांगना गलत नहीं है। यह अलग बात है कि इसके बाद देश के एक राज्य का गेरुवाधारी मुख्यमंत्री ने सार्वजानिक भाषणों में कहना शुरू किया कि 'बंटोगे तो कटोगे'। सरकार द्वारा आधार को धन-विधेयक बना कर पारित करने के मामले में अन्य जजों से अलग फैसला देते हुए इसे असंवैधानिक करार देना भी सीजीआई को एक अलग मकाम पर रखता है। दिल्ली में एलजी को चुनी हुई सरकार की राय मानने की बाध्यता का फैसला भी इसी क्रम में रहा है।

सीजेआई के फैसलों के दो पहलू हैं। प्रगतिशील समाज-सुधार वाले फैसले क्रांतिकारी रहे हैं। सबरीमाला, समलैंगिकता, आरक्षण, परोक्ष भेदभाव के सिद्धांत के आधार पर सेना में महिलाओं की स्थिति बेहतर बनाना, निजता का अधिकार, हदिया केस में वयस्क के अधिकार बहाल करना और ताज़ा आरक्षण को मेरिट का ही विस्तार मामने का सिद्धांत प्रतिपादित करना और यह बताना कि एक परीक्षा पास करना ताउम्र मेरिट की तस्दीक नहीं होती और अगर कोई नीचे के वर्ग का व्यक्ति थ्रेशहोल्ड मार्क्स (योग्यता की निम्नतम शर्तें) पार कर लेता है तो उसके मेरिट को कम नहीं आंका जा सकता, फैसले समाज में दूरगामी और क्रांतिकारी परिणाम देंगे। लेकिन वहीं सीजेआई के रूप कार्यकाल में जस्टिस चंद्रचूड़ भूल रहे हैं कि उनके इसी कार्यकाल में सरकार के विरोध में यूपीए और पीएमएलए जैसी संगीन धाराओं में लोग जेलों में सड़ते रहे। अडानी का केस एक मकड़जाल में इसी कोर्ट ने ऐसा उलझाया कि सत्य कहीं दब गया। उन्हीं के कार्यकाल में महाराष्ट्र की असंवैधानिक सरकार पूरे कार्यकाल तक चली और कोर्ट और स्वयं 'मी लार्ड' तारीख पर तारीख देते रहे। क्या महाराष्ट्र के लोगों का ट्रस्ट आपका सही आकलन नहीं करेगा?

क्या जस्टिस लोया की मौत, जिसमें शक की सुई भारत के सबसे ताकतवरों में से एक पर जाती है, पर दुबारा जाँच की मांग नकारना जनता का 'विश्वास' जीत पायेगी। एक ऐसी सरकार के लिए जो हर 'स्याह-सफ़ेद' करती रही, आवाजों को कुचलती रही, हिन्दू-मुस्लिम करती रही। कुछ मामलों में बड़ी 'रिलीफ' और कुछ मामलों में कुछ 'छोटी' असहजता देना हीं तो आपके फैसलों का लब्बोलुआब रहा है। अगले एक माह में मुख्य मुद्दों पर फैसले कैसे आते है, देखना होगा। इतिहास यह भी देखेगा कि पिछले सीजेआई की तरह रिटायरमेंट के बाद के कुछ समय में आप अपने नैतिक तंतुओं को कितना सख्त रख पाते हैं।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

इस बार जनता को रुलाएगी दिल्ली की जहरीली हवा !

● सरकार ने कसी कमर, बनाया कृत्रिम बारिश का प्लान ● ठंड के साथ-साथ पराली और पटाखों से बढ़ेगा प्रदूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। जल्द ही दिल्ली की हवा खतरनाक स्तर तक खराब हो सकती है। ठंड बढ़ने के साथ साथ दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स भी खतरनाक स्तर पर पहुंचने की आशंका है। वहीं पराली और दीवाली के दौरान जलाए जाने वाले पटाखों का धुआं दिल्ली में वायु प्रदूषण को और अधिक बढ़ाएगा। इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार कृत्रिम बारिश का सहारा लेना चाहती है। दिल्ली सरकार इसके लिए आईआईटी के एक्सपर्ट्स की मदद लेगी। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में केंद्र सरकार से निवेदन किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रविवार को इस संदर्भ में

जानकारी देते हुए बताया कि हवा में मौजूद कणों के प्रदूषण को, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को, बायोमास बर्निंग के प्रदूषण को-कंट्रोल करने में बारिश का एक अहम रोल है। उन्होंने बताया कि एक्सपर्ट भी इस बात से सहमत हैं कि बारिश के जरिए दिल्ली के प्रदूषण को कम किया जा सकता है। दीपावली के बाद तापमान कम हो जाता है, पराली के धुएं से प्रदूषण बढ़ता है, दीवाली में पटाखों से प्रदूषण बढ़ता है। ऐसे में प्रदूषण के कण नीचे की ओर आते हैं। गोपाल राय के मुताबिक ऐसी आपातकालीन स्थिति में इस प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम वर्षा एक कारगर उपाय है। राय का कहना है कि इस विषय पर उन्होंने एक महीना पहले केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था कि आईआईटी कानपुर समेत सभी विशेषज्ञों की एक मीटिंग बुलाई जानी चाहिए। हालांकि इस पत्र का अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। इसके बाद अब 10 अक्टूबर को दिल्ली सरकार ने फिर से केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को इस संदर्भ में पत्र भेजा है।

अपने कार्यकर्ताओं का ही सम्मान नहीं करती भाजपा

● एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा-महाराष्ट्र में बदलाव होगा

मुंबई (एजेंसी)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के लोग बदलाव चाहते हैं और उन्हें भरोसा है कि विधानसभा चुनाव के नतीजों में इसका असर दिखेगा। मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस में शरद पवार ने महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले महाराष्ट्र का प्रशासन देश में सबसे अच्छा माना जाता था, लेकिन अब यह कमजोर हो गया है। हम लोगों को मौजूदा सरकार से छुटकारा दिलाना चाहते हैं और मुझे उम्मीद है कि लोग हमारा सपोर्ट करेंगे। शरद पवार ने

यह भी कहा कि बीजेपी अपने पुराने कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं दे रही है और उनकी उपेक्षा कर रही है। वहीं, महाविकास अघाड़ी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के बारे में पूछे जाने पर शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह चुनाव एमवीए और महायुति के बीच मुकाबला होगा। पहले महायुति अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार बताए, फिर हम अपना नाम बताएंगे। शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंजारा समाज के बारे में गलत जानकारी दी। उन्होंने बंजारा विरासत के उद्घाटन के दौरान दावा किया था कि कांग्रेस और पिछली सरकारों ने बंजारा समाज को कोई अवसर नहीं दिया। शरद पवार ने इस दावे का खंडन करते हुए बताया कि कांग्रेस ने बंजारा समाज को महाराष्ट्र में नेतृत्व के महत्वपूर्ण अवसर दिए हैं। इसी समुदाय के वसंतराव नाइक 11 साल तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे। सुधाकरराव नाइक ने तीन साल तक मुख्यमंत्री पद संभाला। मनोहर नाइक कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे। पवार ने कहा कि बंजारा समाज कांग्रेस का आभारी है, क्योंकि इसने इस समुदाय के लोगों को राज्य का नेतृत्व करने का मौका दिया। उद्धव ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव के रिजल्ट पर सवाल उठाया उद्धव ठाकरे ने हरियाणा चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस और बीजेपी के बीच वोटों का अंतर कम था, फिर भी बीजेपी को ज्यादा सीटें मिलीं।

इंटरनेशनल होगी मोदी सरकार की पीएम गति शक्ति योजना

नेपाल और श्रीलंका जैसे देश अपनाने पर कर रहे भारत से चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी परियोजनाओं की लागत और समय की बचत के लिए नेपाल और श्रीलंका भारत से पीएम गति शक्ति योजना को अपनाने पर चर्चा कर रहे हैं। भारत के उद्योग सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन देशों के प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। जहां नेपाल की जरूरतें खास परियोजनाओं को लेकर हैं, तो वहीं श्रीलंका अपने पूरे सिस्टम में पीएम गति शक्ति योजना को लागू करने का इच्छुक है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली ने तीन साल पहले इसके शुभारंभ के बाद से अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री गति शक्ति भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य देश में बुनियादी ढांचे के विकास को तेज गति देना है। इसे 13 अक्टूबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय को बेहतर बनाना और परियोजनाओं के समयबद्ध तरीके से क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव अमरदीप भाटिया के अनुसार, भारत अपने पड़ोसी देशों को उनकी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बेहतर योजना बनाने में मदद करने के लिए तैयार है। पीएम गति शक्ति योजना का उद्देश्य देश में बेहतर सड़क, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डों और अन्य बुनियादी ढांचों का विकास कर आर्थिक सुधार को प्रोत्साहित करना है। इससे भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने की उम्मीद की जा रही है। केंद्र और राज्यों की बड़ी परियोजनाओं के बाद, भारत सरकार अब इस टूल का इस्तेमाल जिलास्तर पर भी परियोजनाओं की योजना बनाने के लिए कर रही है।

भारत ने कनाडा से मांगे निज्जर की हत्या के सबूत

● ट्रूडो सरकार से कहा-खालिस्तानियों पर क्यों नहीं लेते ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद कनाडा के साथ चल रहे तनाव के बीच भारत ने जस्टिन ट्रूडो की सरकार को कड़ा संदेश दिया है। भारत ने कनाडा से कहा है कि प्रधानमंत्री ट्रूडो इस तरह से बेबुनियाद आरोप मोदी सरकार पर नहीं लगा सकते। उन्हें निज्जर की हत्या से संबंधित पुख्ता सबूत पेश करने होंगे। भारत ने कहा है कि राजनीतिक लाभ के लिए वह अपनी जांच एजेंसियों को आदेश देना बंद करें। भारत ने ट्रूडो सरकार के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से कहा है कि कनाडा के प्रधानमंत्री के आरोपों और जांच एजेंसी आरसीएमपी की अब तक की रिपोर्ट में बहुत भिन्नता है। ऐसे में उन्हें अपने राजनीतिक लाभ के लिए एजेंसी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बता दें कि 11 अक्टूबर को आसियान सम्मेलन से इतर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जस्टिन ट्रूडो की मुलाकात हुई थी। ट्रूडो ने अपनी मीडिया को बताया था कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी से बात हुई। वहीं इस मुलाकात में दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाया था। बता दें कि 18 जून 2023 को निज्जर की हत्या के बाद से दोनों देशों के संबंध काफी तनावपूर्ण हैं। जस्टिन ट्रूडो कई बार भारत पर निराधार आरोप लगा चुके हैं।

सुप्रभात

सुनो, बसंती हील उतारो
अपने मन की कील उतारो
नंगे पैर चलो धरती पर
बंजर पथ पर झील उतारो
जिनको तुम नाटी लगती हो
उनकी आँखें रोगग्रस्त हैं
उन्हें ज़रूरत है इलाज की
खुद अपने से लोग ग्रस्त हैं
सच कहती हूँ सुनो साँवली
तुमसे ही तो रंग मिले सब
जब ऊँचे स्वर में हँसती हो
मानो सूखे फूल खिले सब
बिखरे बाल बनाती हो जब
पिन को आड़ा तिरछा करके
आस पास की सब चीज़ों को
रख देती हो अच्छा करके
मुझे नहीं मालूम बसंती
उक्त जगत का कौन नियंता
पर तुमको अर्पित यह उपमा
'स्वयं सिद्ध घोषित अभियंता'
तुमने स्वयं गढ़े जो रूपक
शब्द नहीं वो आलंबन है
अर्थों के मस्तक पे बढ़कर
अक्षर कर लेते चुम्बन हैं
जिसको नीची लगती हो तुम
उसकी सोच बहुत नीची है
सुनो बसंती हील उतारो
अपने मन की कील उतारो..।

– आकृति विज्ञा 'अर्पण'

सिंहस्थ के माध्यम से भारत दुनिया का करेगा नेतृत्व

प्रदेश को रोजगारपरक बनाने के साथ विकास के हर आयाम को तय कर रही है सरकारः मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश को रोजगारपरक प्रदेश बनाने के साथ ही विकास के हर आयाम को तय कर रही है। प्रदेश की भौतिक सम्पदाओं का सदुपयोग कर आर्थिक रूप से सम्पन्न मध्यप्रदेश बनायेंगे। उन्होंने कहा कि उज्जैन में 350 करोड़ रुपये की लागत से प्रतिभा स्वराज इकाई का आज शुभारम्भ किया गया है, जिससे 5 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। उज्जैन के बेस्ट इंटरप्राइजेस और प्रतिभा स्वराज की इकाइयों से लगभग 10 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध होंगे। इसी प्रकार उज्जैन में अन्य औद्योगिक इकाई के माध्यम से 50 हजार बेरोजगार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव आज उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउण्ड में दशहरा मिलन उत्सव एवं 658 करोड़ की 16 सड़क परियोजनाओं के भूमि-पूजन कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, उज्जैन

के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी, श्री उमेशनाथ जी महाराज, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, श्री तेजबहादुर सिंह चौहान, श्री जितेन्द्र पंड्या, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, श्री विवेक जोशी सहित जन-प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में जन-समुदाय उपस्थित रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन धर्म की सभी सन्यासी परम्पराओं के सभी वैष्णव और शैव संत 12 साल में सिंहस्थ में आते हैं और भविष्य में सनातन धर्म की दिशा, आचरण, स्वरूप तय करते है। मानवता की स्थापना के लिये सर्वोच्च सिंहस्थ मेला आयोजित किया जायेगा। सिंहस्थ के माध्यम से भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा।

विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेशः लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में लोक निर्माण विभाग ''लोक निर्माण से लोक कल्याण'' के ध्येय वाक्य के साथ विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा हैं। विकास कार्यों से उज्जैन बेहतर सड़कों के साथ सामाजिक और आर्थिक ऊंचाइयों पर भी पहुंचेगा। विकास का 'मोहन मॉडल' प्रदेश की उन्नति के साथ जन-कल्याण के मार्ग भी खोल रहा हैं। प्रदेश में विकास और जन-कल्याण के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन धार्मिक नगरी के साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में भी स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा लोकपथ एप का संचालन किया जा रहा है, जिसमें अब सड़कों के क्षतिग्रस्त होने संबंधी प्राप्त शिकायतों का 7 दिन के अंदर संबंधित क्षेत्र के विभागीय अधिकारी द्वारा निराकरण किया जाएगा। मुझे बताते हुए खुशी है कि 3 से 4 महीने के अंदर अभी तक प्राप्त शिकायतों में से 95 प्रतिशत से अधिक का निराकरण किया जा चुका है। कार्यक्रम में विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन को 658 करोड़ से अधिक की राशि की सौगातें आज दी गई है, जो उज्जैन के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्तिक मेला ग्राउंड उज्जैन में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में लोक निर्माण से लोक कल्याण के उद्देश्य से उज्जैन में 658 करोड़ से अधिक के विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 14 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

तमिलनाडु रेल हादसा

इंटरलॉकिंग सिस्टम में खामी की आशंका

एक्सपर्ट बोले-इस खामी के बारे में रेलवे में सब जानते हैं,कोई स्वीकार नहीं करता

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में कवरपेट्टई स्टेशन पर यात्री ट्रेन की मालगाड़ी से टक्कर मामले में रेलवे ने जांच का आदेश दिया है। रेलवे सुरक्षा के एक अधिकारी ने शनिवार को दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, विशेषज्ञों ने इसे बालासोर-2 बताते हुए इंटरलॉकिंग प्रोसेस में खराबी से हादसे की आशंका जताई है। उत्तर रेलवे में मुख्य सिग्नल एंड कम्युनिकेशन इंजीनियर के पद से रिटायर हुए केपी आर्य ने कहा, 'ट्रेन इंटरलॉकिंग पॉइंट पर पटरी से उतर गई। यह इंटरलॉकिंग प्रोसेस में इंजीनियरिंग की खामी है, जिसके बारे में रेलवे में सभी जानते हैं, पर कोई आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं करता।' वहीं, इंडियन रेलवे लोको रनिंगमैन ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी

अध्यक्ष संजय पांधी कहा, 'बालासोर में सिग्नल मरम्मत का काम खत्म होने के तुरंत बाद टक्कर हुई थी। यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ था।' उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि ट्रैक के कुछ जंग लगने के कारण सिग्नल और इंटरलॉकिंग का कनेक्शन टूट गया होगा।' दक्षिण रेलवे के ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. कुमारेसन ने भी कहा, 'सिग्नलिंग प्रोसेस में आ रही खामियों को दूर करना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी ने बहाए थे आतंकियों के लिए आंसू

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया मिली है जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आतंकवादी पार्टी कहकर संबोधित किया था। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान के आतंकी घटनाओं को जिक्र करते हुए कांग्रेस पर आतंकवाद के दोषियों के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आतंकवादी अफजल गुरु के

प्रति नरम रहने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि सोनिया गांधी ने बटला हाउस मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी। जोशी ने सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, मल्लिकार्जुन खरगे ने गलती से भाजपा को आतंकवादी पार्टी कह दिया। वह यह सोनिया गांधी ही थीं जिन्होंने बटला हाउस में मारे गए आतंकवादियों के लिए आंसू बहाए थे। यह कांग्रेस ही थी जो अफजल गुरु के प्रति नरम थी। यह कांग्रेस ही थी जिसने 2004 में पोटा को निरस्त किया था।

कन्नड़ जाने बिना कर्नाटक में नहीं रह सकते

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस पर कन्नड़ झंडा फहराना अनिवार्य कर दिया है। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य के स्थापना दिवस पर बेंगलुरु में सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र समेत सभी शिक्षण संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और कारखानों में कन्नड़ ध्वज जरूर फहराया जाए। उन्होंने कहा कि शहर और बेंगलुरु शहरी जिले में रहने वाले लगभग 50 प्रतिशत लोग अन्य राज्यों से हैं। उन्हें भी कन्नड़ सीखने को प्राथमिकता देनी चाहिए। शिवकुमार ने कहा, 'हम मैसूर राज्य का नाम बदलकर कर्नाटक

किए जाने के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। 1 नवंबर कन्नड़ लोगों के लिए उत्सव का दिन है। बेंगलुरु के प्रभारी मंत्री के तौर पर मैंने एक नया कार्यक्रम तैयार किया है, जिसके तहत सभी स्कूलों और कॉलेजों, कारखानों, आईटी-बीटी क्षेत्र सहित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से कन्नड़ ध्वज फहराया जाना चाहिए।' उन्होंने बताया कि इस संबंध में आदेश जारी किया जाएगा। अनौपचारिक लेकिन व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त पीले व लाल 'कन्नड़ ध्वज' को 1960 के दशक में वीर सेनानी मा राममूर्ति ने डिजाइन किया था। शिवकुमार ने कहा, 'राज्योत्सव का सरकारी समारोह एक स्थान पर आयोजित किया जाएगा, लेकिन निजी और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में भी अनिवार्य रूप से समारोह आयोजित किए जाने चाहिए।' शिवकुमार ने कहा कि हर किसी को यह महसूस करना चाहिए कि कर्नाटक में कन्नड़ जाने बिना नहीं रहा जा सकता।

यूएन चीफ की एंट्री पर इजरायल ने लगाया बैन

- विरोध में उतरे 104 देश,भारत ने खुद को रखा दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने 1 अक्टूबर को इजरायल पर मिसाइल से हमला किया था। इसके बाद 2 अक्टूबर को इजरायल ने बड़ा फैसला लिया और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को इजरायली क्षेत्र में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया। दुनिया के कई देशों ने इजरायल के इस कदम की निंदा की। कई यूरोपीय और अफ्रीकी देशों ने भी इजरायल

के इस कदम की निंदा की। 104 देशों ने एक पत्र के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र महासचिव को इजरायली क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए इजरायल की निंदा की। अहम बात यह है कि भारत ने इस पत्र पर अपने हस्ताक्षर नहीं किए। भारत ने करीब चार ऐसे प्रमुख प्रस्ताव में भाग नहीं लिया, जो फिलिस्तीन के मुद्दों से जुड़े हुए थे। चिली ने इस पत्र को सबसे पहले पेश किया। इसका समर्थन ब्राजील, कोलंबिया, अफ्रीका, युगांडा, इंडोनेशिया, स्पेन, गुयाना और मेक्सिको ने भी किया। सभी ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र महासचिव और संयुक्त राष्ट्र को रक्षा के रूप में देखते हैं, ना कि किसी संघर्ष की पक्ष के रक्षा के रूप में। हम महासचिव और उनके काम में पूर्ण समर्थन व्यक्त करते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पर की पोस्ट

सलमान और दाऊद की मदद करने वालों को छोड़ेंगे नहीं

- बाबा सिद्दीकी की हत्या की ली जिम्मेदारी
- उत्तरप्रदेश-हरियाणा के शूटर्स से गोलियां चलवाईं,सलमान की मदद करने वालों को धमकी दी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एनसीपी (अजित गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। सिद्दीकी इसी साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर अजित पवार के साथ आए थे। हत्या के 28 घंटे बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी ली। लिखा, सलमान खान और दाऊद की मदद करने वालों को छोड़ेंगे नहीं। इस पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप और अनमोल बिश्नोई को हैशटैग किया गया है। लॉरेंस अभी गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। उसने 14 अप्रैल को सलमान के घर के बाहर फायरिंग कराई थी। जेल में लॉरेंस से पूछताछ कराई जाएगी। सलमान खान की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी गई है। हरियाणा और यूपी के शूटर्स ने हत्या की। 3 शूटर्स में से 2 को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। एक फरार है। एक शूटर हरियाण और 2 उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हैं। ये 40 दिन से मुंबई में ही ठहरे थे और सिद्दीकी के घर और बेटे के ऑफिस की रेकी कर रहे थे। सिद्दीकी को वाय-सिक्योरिटी मिली थी, लेकिन घटना के वक्त उनके साथ कोई कॉन्स्टेबल नहीं था। स्ट्रीट लाइट्स और सीसीटीवी भी बंद थे। बांद्रा के खेर नगर में शनिवार रात करीब 9.30 बजे विधायक बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर 3 बदमाशों ने फायरिंग की थी।

पूर्व सांसद नवनीत राणा को गैंगरेप की धमकी

- आरोपी आमिर ने फोन नंबर भी बताया,लिखा-पाकिस्तान जिंदाबाद, 10 करोड़ की फिरौती भी मांगी

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा को धमकी भरा लेटर मिला है। लेटर में नवनीत को गैंगरेप की धमकी दी गई है। साथ ही कहा कि उनके घर के सामने गाय को काटा जाएगा। पत्र भेजने वाले ने खुद का नाम आमिर बताया है। उसने 10 करोड़ की फिरौती भी मांगी है। साथ ही पाकिस्तान जिंदाबाद भी लिखा। आरोपी ने लेटर में अपना फोन नंबर भी लिखा है। लेटर में नवनीत राणा को लेकर कई आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही उनके पति रवि राणा के लिए अभद्र बातें लिखी गईं। रवि राणा के निजी सहायक विनोद गुहे ने राजापेठ पुलिस में

शिकायत दर्ज कराई है। एक्ट्रेस से नेता बनीं नवनीत राणा, विवादों से नाता रहा नवनीत राणा एक फिल्म एक्ट्रेस और राजनेता हैं। नवनीत ने हिंदी, तेलुगु, कन्नड, मलयालम और पंजाबी की कई बड़ी फिल्मों में काम किया। साल 2014 में एनसीपी के टिकट से अमरावती से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाई। साल 2019 में निर्दलीय चुनाव लड़ा।

जरूरत पड़ने पर पूरी ताकत से होगा हथियारों का इस्तेमाल

राजनाथ सिंह की दो टूक, बोले-किसी भी तरह का संकोच नहीं करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी किसी देश पर घृणा या द्वेष के कारण आक्रमण नहीं किया, लेकिन अगर इसके हितों को खतरा हुआ तो हम बड़ा कदम उठाने में संकोच नहीं क र ``ग`। विजयादशमी के अवसर पर सिंह ने पश्चिम बंगाल के सुकना सैन्य स्टेशन पर शस्त्र पूजा की। उन्होंने कहा कि यह अनुष्ठान एक स्पष्ट संकेत है कि अगर आवश्यकता हुई तो हथियारों व उपकरणों का पूरी ताकत से उपयोग किया जाएगा। सुकना स्थित 33 कोर को त्रिशक्ति कोर के नाम से जाना जाता है। यह सिक्किम सेक्टर में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। रक्षा मंत्रालय ने बयान में

सिंह के हवाले से कहा, 'भारत ने कभी भी किसी देश पर घृणा या बुरी नीयत से हमला नहीं किया। हम तभी लड़ते हैं जब कोई हमारी अखंडता और संप्रभुता का अपमान करता है या उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है। जब धर्म, सत्य और मानवीय मूल्यों के विरूद्ध युद्ध छेड़ा जाता है, यही हमें विरासत में मिला है। हम इस विरासत को संरक्षित रखेंगे।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सलमान की सुरक्षा बढ़ी

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री रहे बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है। सिद्दीकी के करीबी सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। राजनीति में दिलचस्पी ना रखने वाले लोग बाबा सिद्दीकी को उनकी इफ्तार पार्टियों के लिए जानते थे। सालाना रमजान के मौके पर मुंबई में होने वाली इस पार्टी में बॉलीवुड सेलेब्स की भीड़ रहती थी। ये बात कम लोग ही जानते हैं कि यही पार्टी शाहरुख खान और सलमान खान का सालों पुराना झगड़ा खत्म होने की वजह रही थी। हर साल की तरह साल 2013 में भी सिद्दीकी ने इफ्तार पार्टी का आयोजन किया था।

कोलकाता में एक और डॉक्टर की हालत गंभीर

भूख हड़ताल से कुल 3 डॉक्टर अस्पताल में भर्ती

कोलाकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में 6 अक्टूबर से अनशन पर बैठे ट्रेनी डॉक्टरों में से 1 और डॉक्टर की हालात क्रिटिकल हो गई है। हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों ने बताया कि उनके साथी डॉ. अनुस्तुप मुखर्जी को शनिवार रात को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया है। प्रोटेस्ट कर रहे एक डॉक्टर ने बताया कि मुखर्जी के स्टूल से खून आ रहा था। उन्हें पेट में तेज दर्द की भी शिकायत थी। 3 डॉक्टरों की हालत बिगड़ने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि सरकार हमारी सभी मांगें नहीं मान रही है। इससे पहले शनिवार शाम को नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज में भूख हड़ताल पर बैठे डॉक्टर आलोक वर्मा की हालत बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं, 10 अक्टूबर को ट्रेनी डॉक्टर अनिकेत महतो को आरजी कर अस्पताल के आईसीयू

में भर्ती कराया गया था। दरअसल, आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को बॉडी कॉलेज में मिली थी।

मणिपुर में जातीय हिंसा के बाद बढ़ी 'जबरन' वसूली

सरकार ने एंटी एक्सटॉर्शन सेल का गठन किया,आरोपियों के खिलाफ ऐक्शन लेगी

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय हिंसा 3 मई 2023 को शुरू हुई थी। इसके 16 महीने बीत चुके हैं। इस दौरान राज्य में जबरन वसूली की घटनाएं बढ़ी हैं। कई गैंग-गिरोह हैं जो जबरन वसूली करके अंडरग्राउंड हो जाते हैं। अब इनसे निपटने के लिए मणिपुर पुलिस ने स्पेशल सेल एंटी एक्सटॉर्शन सेल का गठन किया है। सीबीआई इंटेलीजेंस के. कबीब ने कहा- राज्य से निकले नेशनल हाइवे से गुजरने वालों ट्रकों से अवैध टैक्स वसूला जा रहा है। डोनेशन के नाम पर व्यापारियों, एजुकेशन इंस्टीट्यूट और आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। उनसे जबरन वसूली की जा रही है। इसका असर इकोनॉमिक एक्टिविटी पर भी दिख रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस जबरन वसूली करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन ले रही है। कई अंडरग्राउंड गैंग और गिरोह किडनैपिंग, ग्रेनेड अटैक और फोन पर

धमकी देने के मामलों में शामिल हैं। इन एक्टिविटी के जवाब में पुलिस ने डीसीपी (लॉ एंड ऑर्डर) की लीडरशिप में एंटी एक्सटॉर्शन सेल बनाई है। इसमें सभी जोन के एसआईटी सदस्य हैं। 15 क्रैक टीमें, 16 पुलिस-सीआरपीएफ की कंपनियां तैनात कबीब ने कहा- एंटी एक्सटॉर्शन सेल पूरे राज्य में हो रही जबरन वसूली विरोधी कैंपेन मॉनिटरिंग और सुपरविजन करेगी। जिला पुलिस ने अन्य सिक्योरिटी एजेंसियों की मदद से 15 क्रैक टीमें तैयार की हैं। उन्होंने कहा कि बीते एक साल में जबरन वसूली करने वाले 121 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही अंडरग्राउंड गैंग-गिरोह के 215 से अधिक सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया है। नेशनल हाईवे पर आवश्यक वस्तुओं के आवागमन में परेशानी परेशानी ना हो इसके लिए पुलिस ने सीआरपीएफ की मदद से एनएच-2 पर रोड ओपनिंग पार्टी के लिए 16 कंपनियों को तैनात किया है। ट्रकों की सुरक्षा के लिए दो अतिरिक्त कंपनियां भी तैनात की गई हैं। मोबाइल टीमें भी की गईं तैनात कबीब ने कहा कि जबरन वसूली के हॉटस्पॉट तलाशने के लिए मोबाइल टीमें तैनात की गई हैं।

ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला कर सकता है इजराइल

- ईरान ने भी धमकाया,अरब देशों से कहा-हम पलटवार करेंगे

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें दागी थीं। अमेरिका को शक है कि इसका बदला लेने के लिए इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है। अमेरिकी मीडिया हाउस ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से ये जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल पलटवार में ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। हालांकि, ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रकचर पर अटैक की आशंका भी जताई गई है। वहीं, ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों को कहा है कि अगर इजराइल ने हमला किया तो वे जवाब जरूर देंगे। ईरान से तनातनी के बीच नेतन्याहू आज फिर से कैबिनेट की मीटिंग करेंगे। इसमें ये चर्चा की जाएगी कि हमले पर पलटवार कैसे करें।

राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पर हमला

बड़े भाई के साथ युवती के विवाद में समझौता कराने पहुंचे थे ; कार में भी की तोड़फोड़

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के टावर चौराहे पर शनिवार रात 2:30 बजे के आसपास राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष और उनके भाई पर 5 से ज्यादा लोगों ने हमला कर दिया। उनकी कार में भी तोड़फोड़ की। दोनों भाई को चाकू मार दिए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष को दो चाकू हाथ पर लगे। वहीं उनके बड़े भाई को एक चाकू लगा है। दोनों को रात में इलाज के लिए एमवाय लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

जूनी इंदौर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र बुंदेला और उनके बड़े भाई अनिल बुंदेला निवासी जूना रिसाला पर हैप्पी, मनी, सन्नी, आदित्य और अन्य ने चाकू से हमला कर दिया।

आरोपियों ने पीछे से किया हमला

नरेन्द्र बुंदेला ने बताया कि, हम लोग रात में एक विवाद के चलते युवक और युवती को मिली रही धमकी को लेकर मदद के लिए चौराहे पर पहुंचे थे। यहां आरोपियों ने पीछे से आकर चाकू से हमला कर दिया। कार में भी तोड़फोड़ की। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों भाइयों को नजदीक के असपताल भेजा। यहां उपचार नहीं मिला तो एमवाय भेजा गया।

आपसी विवाद में समझौता कराने पहुंचे थे

नरेन्द्र ने बताया कि, परिचित युवती ने कॉल कर कहा था कि कुछ लोग हमें धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कॉन्फ्रेंस पर लेकर बात की तो आरोपियों ने मुझे टावर चौराहे पर आने के लिए कहा। जब मैं अपने बड़े भाई को लेकर कार से वहां पहुंचा तो आरोपियों ने हम पर हमला कर दिया। मैं आपसी विवाद में समझौता कराने गया था। नरेन्द्र मंत्री तुलसी सिलावट के समर्थक हैं।

स्टेशनरी व्यवसायी के घर किया जादू-टोना

तंत्र मंत्र का सामान फेंककर जाते पकड़ा, जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एरोड्रम इलाके में एक स्टेशनरी व्यवसायी के घर के सामने एक व्यक्ति ने जादू टोना कर दिया। तंत्र मंत्र करते समय व्यवसायी के भाई ने देख लिया। जब उसे रोका तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी और भाग निकला।

मकान को लेकर चल रहा विवाद

फरियादी मेहुल जैन निवासी द्वारकाधीश कॉलोनी ने बताया कि उन्होंने नेहरू नगर में एक मकान का सौदा पीएनबी बैंक से किया था। जिसमें शंशिकात बरूआ रहता था। उसने मकान पर पीएनबी बैंक से लोन लिया था। लोन की किश्तें न चुकाने पर बैंक ने मकान कुर्क कर दिया। मेरे द्वारा बैंक से मकान का सौदा करने पर शंशिकांत नाराज था। रात में वह एक प्लास्टिक की थैली से घर के बरामदे में कुछ फेंकने लगा, जिसे भाई भाई प्रिंस ने देख लिया। उसे रोका तो वह भागने लगा। पकड़ने पर बोला कि तुमने नेहरू नगर का मकान कैसे ले लिया। सबको देख लूंगा, इसके बाद वहां से भाग गया।

देर रात थाने पहुंचा परिवार

घटना के बाद देर रात मेहुल जैन परिजन के साथ एरोड्रम थाना पहुंचे। पुलिस ने शिकायत पर शशिकांत बरूआ के खिलाफ जादू टोना करने और धमकाने के मामले में केस दर्ज किया है।

स्टूडेंट को अगली क्लास में प्रमोट करने की डेट बढ़ी

कॉलेजों में प्रवेश नवीनीकरण प्रक्रिया अब 25 अक्टूबर तक

इंदौर (एजेंसी)। कॉलेजों में प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया को 25 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है। कॉलेज रिव्यू और पूरक परीक्षा के चलते स्टूडेंट्स को प्रमोट करने में परेशानी हो रही थी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग को भी कॉलेजों ने अवगत करा दिया है।

यूजी सेकेंड और थर्ड और पीजी कोर्स के थर्ड सेमेस्टर में स्टूडेंट्स को प्रवेश दिया जाना है, लेकिन रिव्यू और पूरक परीक्षा के चलते अगली कक्षाओं में प्रमोट करने में कॉलेजों को दिक्कतें आ रही है।

इस संबंध में कॉलेजों ने उच्च शिक्षा विभाग को अवगत कराया है। इसके बाद प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। इसके तहत स्टूडेंट्स को अगली कक्षाओं में 25 अक्टूबर तक प्रमोट किया जाएगा।

विभाग के फैसले से स्टूडेंट्स को बड़ी राहत मिली है। ऐसे स्टूडेंट्स जिन्हें फर्स्ट और सेकेंड ईयर में एक या दो विषय में सप्लीमेंट्री आई है या किसी कारण से रिव्यू रिजल्ट नहीं आया है, उन्हें खास तौर से फायदा होगा। प्रवेश नवीनीकरम की प्रक्रिया जुलाई से चल रही है। उन स्टूडेंट्स को प्रमोट किया गया है, जिन्होंने यूजी फर्स्ट-सेकेंड ईयर की मुख्य परीक्षा पास कर ली है। 70 परसेंट की क्लासेस भी शुरू हो गई है।

जबकि रिव्यू रिजल्ट और पूरक परीक्षा का इंतजार करने वाले स्टूडेंट्स को अगली क्लास में प्रमोट करने का मामला अटका हुआ है, हालांकि कुछ कॉलेजों को स्टूडेंट्स को अस्थायी प्रवेश दिया है। बता दें देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की पूरक परीक्षा 22 अक्टूबर से है।

इंदौर में कार ने सब्जी विक्रेता को मारी टक्कर, मौत

सुबह मंडी से सब्जी लेकर जा रहे थे घर; परिचित ने कॉल कर दी जानकारी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के देवगुराड़िया के पास रोड एक्सीडेंट में एक सब्जी विक्रेता की मौत हो गई। वह सुबह मंडी से अपने घर सब्जी लेकर आ रहे थे। तभी उनकी बाइक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद परिचित ने परिवार के लोगों को जानकारी दी। पुलिस ने शव को एमवाय भेजा है। इधर, टक्कर मारने वाली कार की तलाश की जा रही है।

खुड़ैल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक कैलाश (55) पुत्र बाबूलाल मीणा निवासी बिचौली मर्दाना है। उनके रिश्तेदार विशाल ने जानकारी देते हुए बताया कि, कैलाश सुबह मंडी जाते हैं। यहां से सब्जी लेकर उसे बेचने का काम करते हैं। रविवार सुबह भी वह मंडी से सब्जी लेकर अपनी बाइक से घर आ रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। पीछे आ रहे परिचित ने उन्हें देख लिया। कार ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया।

इंदौर में 111 फीट ऊंचे रावण का दहन

छावनी में आयोजन कैंसल करना पड़ा, तिलक नगर में रतन टाटा को श्रद्धांजलि

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में शनिवार को विजयादशमी का पर्व उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर दशहरा मैदान में भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया, जिसमें 111 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन हुआ। रावण दहन से पूर्व आड़ाबाजार से अहिल्या गादीरक्षण समिति की पालकी निकाली गई, जिसमें होल्कर परिवार के सदस्यों ने पारंपरिक शमी पूजन किया।

इस दौरान मुख्य आयोजनों में राजनीतिक दलों के नेता भी शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दशहरा मैदान पर आयोजित कार्यक्रम शामिल हुए, जबकि विजय नगर में हुए समारोह में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शिरकत की।

शहर के 10 प्रमुख स्थलों पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। हालांकि, आरएनटी मार्ग स्थित छावनी में कार्यक्रम को स्थगित करना पड़ा। आयोजकों ने बताया कि मैदान में कीचड़ होने के चलते रावण दहन का कार्यक्रम अब 13 अक्टूबर की रात 8 बजे किया जाएगा।

तिलक नगर में रतन टाटा को श्रद्धांजलि- तिलक नगर में भी रावण दहन का आयोजन हुआ। यहां मौजूद लोगों ने रतन टाटा सहित अन्य दिवंगत आत्माओं को मोबाइल के फ्लैश जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्वच्छता की शपथ भी ली गई।

बेटमा में दशहरा पर अनूठी परंपरा

अमन-चमन टेकरी पर घुड़दौड़, निशाना साध बंदूक से फोड़ी मटकी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के बेटमा में दशहरा पर अनूठी परपंरा है। यहां पर अमन-चमन टेकरी पर शनिवार को घुड़दौड़ निशानेबाजी सहित कई कार्यक्रम हुए। लेकिन इस बार कार्यक्रम समय से पहले शुरू कर दिए गए, जिससे ग्रामीणों को निराशा हाथ लगी। तीन चरणों में होने वाली घुड़दौड़ भी दो चरणों में हुई। वहीं निशानेबाज भी बंदूक से निशाना तब साध सकें जब तय दूरी से टारगेट को करीब 50 फीट नजदीक किया गया।

अमन-चमन टेकरी पर शनिवार दोपहर दशहरा पर्व की रियासत कालीन परंपरा को निभाने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। स्थानीय राजवाड़ा पर सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति के मंच पर अतिथियों का साफा बांधकर स्वागत किया गया।19 निशानेबाजों ने करीब 300 मीटर दूर रखी चुने से पुती सफेद मटकी पर निशाना साधा।

शस्त्र, अश्व और गादी का पूजन अतिथियों द्वारा किया गया। दशहरा मैदान पर घुड़दौड़ प्रतियोगिता हुई, जो तीन राउंड में होती है। वह पहली दो राउंड में ही पूरी कर ली गई। इसमें पहले छोटे व मध्यम घोड़े व दूसरे राउंड में बड़े घोड़ों को खड़ी पहाड़ी पर दौड़ाया गया। जैसे ही यहां पहाड़ी पर बंदूक से फायर किया गया। उसके बाद घोड़े पहाड़ी पर दौड़े। विजेता प्रतिभागियों को सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह चौहान, वरिष्ठ नेता गौपाल सिंह चौधरी, गुमान सिंह पंवार, आयोजक शशि जैसवाल, संयोजक महावीर सिंह चौहान और अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

19 निशानेबाजों ने साधा मटकी पर निशाना

यहां घुड़दौड़ के साथ ही निशानेबाजी की भी प्रतियोगिता हुई। इसमें 19 निशानेबाजों ने करीब 300 मीटर दूर रखी चुने से पुती सफेद मटकी पर निशाना साधा। लेकिन काफी समय तक जब मटकी नहीं फूटी तो उसे 50 फीट निशानेबाजों के नजदीक लाया गया। जिसके बाद निशानेजाबों ने मटकी पर निशाना साध फोड़ा। इसमें पहली व दूसरी मटकी दोनों वीरेंद्र सिंह चौहान निवासी रावला बेटमा ने फोड़ी।

ये रहे विजेता

- पहली घुड़दौड़ में प्रथम लाल बाबा, द्वितीय रितेश चौधरी व तृतीय शुभम जाट रहें।
- दूसरी घुड़दौड़ में प्रथम रवि दिनेश मारोठिया, द्वितीय अशोक महाराज व तृतीय चंदन सनावदा रहे।

दशहरा पर इंदौर में जमकर हुई खरीदारी से बाजारों में लौटी रौनक, 15 से 60 प्रतिशत तक की ग्रोथ

इंदौर(एजेंसी)। दशहरा पर बाजार में रौनक छा गई। अलग-अलग सेगमेंट में 15 से 60 फीसदी तक की ग्रोथ देखी गई। सराफा, प्रॉपर्टी, इलेक्ट्रॉनिक आइटम से लेकर वाहनों में जमकर खरीदी हुई। इंदौर चांदी सोना जवाहरात एसो. के सचिव अविनाश शास्त्री ने बताया सराफा में 10 से 15 प्रतिशत तक की ग्रोथ रही। सोने में सबसे ज्यादा बिक्री हार, चेन और अंगूठी की रही। चांदी में सबसे ज्यादा पायजेब पसंद की गई।

बिल्डअप में रुझान ज्यादा रहा- क्रेडाई प्रेसीडेंट संदीप श्रीवास्तव के मुताबिक रियल एस्टेट सेक्टर में ओवरऑल 20 प्रतिशत की ग्रोथ रही। बिल्डअप प्रॉपर्टी में लोगों का ज्यादा रुझान है। फ्लैट और रो-हाउस सेगमेंट में 60 प्रतिशत तक की ग्रोथ है।

ऑटोमोबाइल में मिड साइज एसयूवी पर जोर- एसोसिएशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स इंदौर के अध्यक्ष प्रवीण पटेल के मुताबिक फोर व्हीलर में 8 से 10 प्रतिशत की ग्रोथ रही। सबसे ज्यादा बिक्री 8 से 15 लाख रुपए कीमत वाली मिड साइज एसयूवी की हुई है। टू-व्हीलर के बिजनेस में 15 प्रतिशत की ग्रोथ रही।

रेडीमेड में 30 प्रतिशत की ग्रोथ- इंदौर रेडीमेड वस्त्र व्यापारी संघ के अध्यक्ष आशीष निगम ने बताया कोरोना के बाद पहला दशहरा था, जब सर्वाधिक 30 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली है। सबसे ज्यादा किड्स गारमेंट्स में ग्रोथ रही है।

इलेक्ट्रॉनिक्स में वाशिंग मशीन, टीवी खूब बिके- एमटीएच कंपाउंड मर्चेंट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष अशोक उत्तमचंदानी के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक में 10 से 15 प्रतिशत तक की ग्रोथ रही। सबसे ज्यादा वाशिंग मशीन, टीवी और फ्रिज लोगों ने पसंद किए।

इंदौर के पलासिया में फिर बदमाशों का आतंक

देर रात पार्किंग में खड़ी कारों पर बरसाए पत्थर ; सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

इंदौर (एजेंसी)। पलासिया इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने शनिवार देर रात करीब एक दर्जन कारों के कांच फोड़ दिए। सभी कारें पार्किंग में खड़ी थी। बदमाश घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। रात में आवाज सुनकर रहवासियों की नींद खुली तब घटना की जानकारी लगी।

पलासिया पुलिस के मुताबिक, घटना पलासिया इलाके के रवीन्द्र नगर की है। रात करीब 3 बजे 5-6 बदमाशों ने एक के बाद एक बेसबाल के डंडे और पत्थरों से कारों के कांच फोड़ दिए। घटना की आवाज आने पर कॉलोनी के लोग उठे।बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी करीब एक दर्जन कारों के कांच फोड़ दिए। घर के बाहर आकर देखा तो कारों के कांच टूटे हुए थे। देर रात रहवासियों ने डायल 100 को सूचना दी। रहवासियों के मुताबिक घटनास्थल के नजदीक ही बैक है। जहां बदमाशों के फुटेज आए होंगे। लेकिन रविवार होने के चलते पुलिस फुटेज नही निकाल पाई। यहां शासकीय विभागों में पदस्थ कई कर्मचारियों के घर है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

इंदौर में डेंगू के 450 से अधिक पेशेंट

नगर निगम प्रत्येक जोन में धुआं मशीन से कर रहा फागिंग, चिकनगुनिया के 20, मलेरिया के भी 7 केस

इंदौर (एजेंसी)। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में डेंगू ने नगर निगम की चिंता बढ़ा दी है। अब तक बड़ी संख्या में डेंगू के पेशेंट सामने आ चुके हैं। नगर निगम द्वारा प्रत्येक जोन क्षेत्र में धुआं मशीन से फॉगिंग की जा रही है। मौसमी बीमारी की रोकथाम के लिए शहर में लार्वानाशक और कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार निगम मलेरिया विभाग द्वारा मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए शहर के अलग-अलग स्थानों पर बैक लाईन, नाली, खाली प्लाट, चेंबर आदि जगहों पर लार्वानाशक और कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही प्रत्येक जोन क्षेत्र में धुआं मशीन से फॉगिंग की जा रही है।

अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देशन में लार्वा नाशक दवा/कुड ऑईल का छिड़काव किया गया, जिसमें पंचम की फेल ,अमर टेकरी ,मालवा मील, काजी की चाल, मनोरमा गंज, छावनी, शंकर बाग, कलाली मोहल्ला साई बाबा नगर, ग्वाला कॉलोनी, प्रजापत नगर गुरुकुल स्कूल, पिपलिया कुमार पंडाल, अखंड नगर, खातीवाला टैंक, इंदिरा नगर, कुंदन नगर पंडाल, जबरन कॉलोनी, हरसिद्धि मंदिर, संचार नगर, चेतन नगर, मंगल स्टेट नगर, शिव खंड नगर, गरबा पंडाल, स्कीम नंबर 54 मेघदूत नगर माली मोहल्ला, मारुति नगर, शिवाजी नगर, मल्हार आश्रम, तुलसी नगर, न्याय नगर, अमितेश नगर, मां विहार कॉलोनी, रेडियो कॉलोनी ,रेसीडेंसी कोठी, डीआरपी लाइन रहवासी क्षेत्र की बैंक लाईन, नाली, खाली प्लॉट, चेम्बर आदि जगहों पर लार्वा नाशक दवाई का छिड़काव किया गया। निगम द्वारा रोजाना वार्डों में बेक लाईन, नाली, खाली प्लॉट, चेंबर आदि जगहों पर लार्वा नाशक दवाई का छिड़काव और धुआं मशीन से फॉगिंग का कार्य किया जा रहा है।कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव शहर में किया जा रहा है।

अब तक लगभग 450 मरीज सामने आए

इस साल अब तक करीब 450 मरीज डेंगू के सामने आ चुके हैं। सितंबर में छात्र मंसूरी अंसारी (15) की डेंगू से मौत हुई थी। ऐसे ही चिकनगुनिया के 20 और मलेरिया के 7 केस पाए गए हैं। अभी जिन क्षेत्रों में डेंगू के नए मरीज मिले हैं, वहां नगर निगम और मलेरिया विभाग द्वारा छिड़काव कर लार्वा नष्ट किया जा रहा है।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दौलत पटेल के मुताबिक, डेंगू बुखार मच्छरों द्वारा फैलाई जाने वाली बीमारी है। यह स्थिति तब बनती है, जब घरों में या आसपास एक ही स्थान पर बहुत दिनों से पानी जमा हो। जैसे कूलर, वॉश एरिया, सिंक, गमलों आदि में भी कई बार पानी जमा रहता है। यही डेंगू का कारक बनता है।

तेज रफ्तार आयशर ने पति-पत्नी को रौंदा

दोनों की मौत; मूर्ति विसर्जन करने जाते समय हुआ हादसा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के डाकाच्या के पास एक तेज रफ्तार आयशर ने बाइक सवार पति-पत्नी को रौंदा दिया। जिसमें पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी की एमवाय में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने ड्राइवर पर लापरवाही का केस दर्ज कर गाड़ी जब्त कर ली है।

शिप्रा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना गुरुकृपा पंजाबी ढाबे के पास डाकाच्या की है। यहां दिलीप (27) पुत्र देवीसिंह धाकड़ और उनकी पत्नी नेहा को बाइक से जाते समय पीछे से आ रही आयशर गाड़ी ने टक्कर मार दी। जिसके बाद पत्नी एक तरफ गिर गई। जबकि दिलीप बाइक सहित कई फीट दूर तक जा गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया।

एक्सीडेंट के बाद वहां मौजूद लोगों ने आयशर को रोका तो ड्राइवर भाग गया। दिलीप के भाई मनोज ने बताया कि, भाई निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे। हम मूल रूप से शिवपुरी के रहने वाला हैं। दोनों दुर्गा विसर्जन करने शिप्रा नदी की तरफ जा रहे थे। तभी हादसे का शिकार हो गए। परिवार के लोग शव को शिवपुरी लेकर गए हैं।

5 माह की गर्भवती थी महिला- जानकारी के मुताबिक, दिलीप की शादी मई 2023 में हुई थी। शादी के कुछ माह बाद ही वह पत्नी नेहा को लेकर इंदौर आ गया था। नेहा 5 माह के गर्भवती थी। दिलीप का एक बड़ा भाई है। जो गांव में खेती किसानी के काम से जुड़ा हुआ है। उसके पिता भी किसानी का काम करते हैं।

दशहरे पर शस्त्र पूजन के साथ शस्त्र कला का प्रदर्शन

5 साल से शस्त्र कला में लोगों को किया जा रहा था प्रशिक्षित

इंदौर (एजेंसी)। धर्मा संगठन के बैनर तले रविवार को शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। सालासर बालाजी मंदिर तिलक नगर में आयोजन हुआ। इस दौरान हवन, पूजन-पाठ हुआ। शस्त्रों का विधि विधान के साथ पूजन हुआ। इसमें राष्ट्रीय करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष सहेंद्र सिंह उपस्थित हुए। राजपूत चेतना मंडल से ठाकुर सुनील सिंह सिकरवार मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र गोयल उपस्थित थे।

आयोजक दिनेश सिंह चौहान ने बताया कि संगठन के बैनर तले बीते 5 साल से आयोजन हो रहा है। शस्त्र कला का प्रदर्शन अधिवक्ता मनीष गुप्ता द्वारा किया गया। धर्मा ग्रुप के द्वारा शस्त्र कला का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। महिला-पुरुष सभी को प्रशिक्षण दिया जाता है। करीब 150 लोगों को कैंप के माध्यम से प्रशिक्षित कर दिया गया है।

संपादकीय

मदरसे : फंडिंग रोकना तो इलाज नहीं

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा केन्द्र और राज्य सरकारों को मदरसों को की जा रही सरकारी आर्थिक मदद पर सवाल उठाते हुए इसे तत्काल बंद करने की सिफारिश की है। आयोग का कहना है कि देश के हजारों मदरसों में आठवीं के बाद आधुनिक विषयों की कोई शिक्षा नहीं दी जा रही है। ये मदरसे राइट टू एजुकेशन (आरटीई) नियमों का पालन भी नहीं कर रहे हैं। आयोग ने 'आस्था के संरक्षक या अधिकारों के विरोधी: बच्चों के संवैधानिक अधिकार बनाम मदरसे' नाम से एक रिपोर्ट तैयार करने के बाद ये सुझाव दिया है। इसमें आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि मदरसों में पूरा फोकस धार्मिक शिक्षा पर रहता है, जिससे बच्चों को जरूरी शिक्षा नहीं मिल पाती और वे बाकी बच्चों से पिछड़ जाते हैं। आयोग की मुख्य तीन सिफारिशों में मदरसों और मदरसा बोर्डों को राज्य की तरफ से दिए जाने वाले फंड पर रोक लगाने, मदरसों से गैर-मुस्लिम बच्चों को हटाना, संविधान के अनुच्छेद 28 के मुताबिक, माता-पिता की सहमति के बिना किसी बच्चे को धार्मिक शिक्षा नहीं देना शामिल है। आयोग के अनुसार एक संस्थान के अंदर धार्मिक और औपचारिक शिक्षा एक साथ नहीं दी जा सकती है। आयोग की इस रिपोर्ट पर राजनीति भी शुरू हो गई है। देश की विपक्षी पार्टियों ने मोदी सरकार पर मदरसों के मामले में दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि महाराष्ट्र की बीजेपी सरकार ने कल ही मदरसों के शिक्षकों की तनख्वाह बढ़ाने का ऐलान किया है। दूसरी तरफ, मदरसे की फंडिंग बंद करने की सिफारिश हो रही है। पार्टी ने पूछा कि यदि मदरसों की फंडिंग बंद कर दी जाएगी तो शिक्षकों की तनख्वाह कहां से दी जाएगी? समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी वाले संविधान से बनी हर चीज को उलटना चाहते हैं। यह वह लोग हैं जो नफरत पर राजनीति करना चाहते हैं, जो भेदभाव पर राजनीति करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि देश में कुल 38 हजार मदरसे हैं, जिनमें से 28 हजार 107 सरकारी मान्यता प्राप्त हैं और 10 हजार 39 बिना मान्यता प्राप्त हैं। मान्यता प्राप्त मदरसों को सरकारी फंडिंग होती है, जो सालाना करीब 500 करोड़ रु. की है। सरकार मदरसों को कट्टर धार्मिक शिक्षा के जंजाल से निकालकर उनमें आधुनिक विषयों की शिक्षा देने के लिए लंबे समय से प्रयास कर रही है। लेकिन उसे खास सफलता नहीं मिली है। मदरसों में अमूमन गरीब मुसलमानों के बच्चे ही पढ़ते हैं। कई मदरसों में हिंदू बच्चे भी पढ़ते पाए गए हैं। ये या तो बहुत गरीब घरों के होते हैं या फिर आसपास कोई सरकारी स्कूल न होने के कारण मदरसों में जाते हैं। माना जाता है कि मदरसों में बच्चों को गणित, विज्ञान जैसे विषयों की शिक्षा न देकर धार्मिक कट्टरता की ही शिक्षा दी जाती है, जिससे अंततः आतंकी सोच को ही बढ़ावा मिलता है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इस पर नियंत्रण के लिए उप्र मदरसा एक्ट भी पास किया था, जिस पर अभी सुप्रीम कोर्ट ने संविधान में धर्मनिरपेक्षता की भावना के विपरीत मानते हुए रोक लगा दी है। राजनीति से हटकर यहां अहम सवाल यह है कि आयोग की सिफारिश के मुताबिक अगर सरकार ने मदरसों को सरकारी फंडिंग रोक दी तो मदरसों पर सरकार का परोक्ष नियंत्रण भी जाता रहेगा। अभी फंडिंग के चलते मदरसे कुछ तो सरकार की निगरानी में रहते हैं। सरकार अगर यह मानकर चल रही है कि फंडिंग बंद होने से मदरसे बंद हो जाएंगे, तो यह गलतफहमी है। मदरसों की फंडिंग बंद करने की बजाए सरकार उनके आधुनिकीकरण को सख्ती से लागू करें। इसमें सभी का भला है।

नजरिया

हरियाणा की जीत का असर दूर तक दिखेगा

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव के परिणामों से देश के दिग्गज राजनीतिक पंडित चुनाव विशेषज्ञ और मतदान के बाद अनुमान लगाने वाली संस्थाएं अचंभित हैं। क्योंकि इनमें से ज्यादातर भाजपा को हरियाणा में जीत से बाहर रहने की गारंटी दे रहे थे। कांग्रेस को हरियाणा में अपने बलबूते न केवल स्पष्ट बहुमत, बल्कि दो तिहाई बहुमत के पार बता रहे थे। लेकिन नतीजे के बाद साफ हुआ कि ये अनुमान छह माह पहले हुए लोकसभा चुनाव के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और हरियाणा के प्रभुत्वशाली वर्ग से बातचीत के आधार पर गढ़े गए हैं, इसलिए धराशायी हुए। दरअसल इस अप्रत्याशित जीत के पीछे लोकसभा चुनाव की हार से नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का सबक लेना भी रहा है। गोया, हारी हुई बाजी को भाजपा पलटने में सफल रही। अब इस जीत से भाजपा का आत्मबल बढ़ेगा, नतीजतन इसका असर महाराष्ट्र, दिल्ली एवं झारखंड में होने वाले चुनावों में भाजपा के पक्ष में दिखाई दे सकता है।

दरअसल जो अनुमान लगाए जा रहे थे, उनके पीछे गणित था कि भाजपा पिछले 10 साल से सत्तारूढ़ है, इसलिए उसे सत्ताविरोधी लहर की नाराजी भुगतनी पड़ेगी। शायद भाजपा ने भी इस हकीकत को चुनाव पूर्व भांप लिया था, अतएव चुनावी बाजी को जीत में बदलने के लिए पहला काम धर्मेंद्र प्रधान को हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाकर किया। प्रधान इससे पहले बिहार और कर्नाटक में भी प्रभारी रहते हुए पार्टी को विजयश्री दिलाने में सफल रहे थे। प्रधान ने सबसे पहले सभी 90 विधानासभा क्षेत्रों का दौरा किया। कुरुक्षेत्र, पंचकुला और रोहतक में शिविर लगाए। ओड़िशा में भाजपा की जीत में मुख्य भूमिका निभाने वाले प्रधान ने मतदान केंद्र तक की समीक्षा की और पाया कि हरियाणा में कांग्रेस का मतलब सिर्फ भूपेंद्र सिंह हुड्डा है। अतएव पिछले दस साल से हरियाणा की कमान संभालते चले आ रहे, मनोहरलाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया। सैनी पिछड़े वर्ग से आते हैं। साथ ही सुरेंद्र नागर को राज्य का सह-चुनाव प्रभारी बनाया गया। नागर गुर्जर समाज से हैं। राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पुनिया ने जाट बहुल क्षेत्र की मनस्थिति बदलकर कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगा दी। इस रणनीति ने हरियाणा के प्रभुत्वशाली जाट समुदाय के विपरीत दलित, पिछड़े और अन्य छोटे तबकों को लुभाने का काम किया। इस समाजिक रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए संघ को कमान सौंप दी गई। इसका परिणाम रहा कि जाट बनाम गैर जाट का मुद्दा अन्य सभी मुद्दों पर भारी पड़ गया। लिहाजा 2020 में बनाए गए तीन किसान कानून और फसलों पर समर्थन मूल्य की मांग के मुद्दे फीके पड़ गए और भाजपा के सिर जीत का सेहरा बंध गया।

जम्मू-कश्मीर में जो अनुमान थे, परिणाम लगभग उसी सोच के अनुरूप आए। यहां एनसी और कांग्रेस गठबंधन को 48 सीटें मिलीं तो भाजपा को 29 सीटों पर विजय मिली। कांग्रेस एनसी के साथ गठबंधन करके नुकसान में रही, वह मात्र छह सीटों पर सिमट गई। पीडीपी भी सिमट कर बमुश्किल तीन सीटें जीत पाई। महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती 9,770 मतों से चुनाव हार गईं। घाटी की जनता ने जहां महबूबा मुफ्ती की वंशवादी राजनीति का खात्मा किया, वहीं आतंक और अलगाववादी गतिविधियों में शामिल रहे एक भी प्रत्याशी को जीतने नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर में 60 सीटें मुस्लिम बहुल और 30 हिंदू बहुल क्षेत्रों में थीं। घाटी में यह स्पष्ट रूप से देखने में आया है कि मुसलमानों में सुधारवादी नीतियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। अंततः यह समुदाय धर्म के आधार पर ही वोट देता है। जम्मू-कश्मीर में भाजपा निर्दलीयों के भरोसे सरकार बनाने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन नेशनल कांफ्रेंस की एकतरफा जीत ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

भाजपा ने इन दोनों राज्यों में अपनी स्थिति संभलते हुए भाजपा विरोधी नेता और दलों को जता दिया है कि भाजपा संवैधानिक लोकतंत्र की प्रबल पक्षधर है और उसकी नीतियां समरसतावादी है। जम्मू-कश्मीर को लेकर देश को ही नहीं दुनिया के कथित मानवाधिकारी संगठनों को यह उत्सुकता और आशंकाएं थीं कि नरेंद्र मोदी सरकार लोकतंत्र की कसौटी पर खरी उतरती है अथवा नहीं ? बावजूद पूर्वाग्रही वामपंथी चुनाव विश्लेषक कह रहे हैं कि घाटी ने अनुच्छेद-370 और 35-ए को पूरी तरह नकार दिया है। जबकि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि 60 सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्र में हैं। मुसलमान धार्मिक गुत्थी में हमेशा उलझा रहा है। प्रगातिशील सोच और सुधारवादी नीतियों का वह लाभ तो पूरा लेता है, लेकिन अपनी सांप्रदायिक जड़ता से मुक्त नहीं होना चाहता। अतएव घाटी में मुसलमान ने 370 हटने के बाद पर्यटन से हुए लाभ को तो स्वीकारा, लेकिन एनसी को वोट इसलिए दिया, क्योंकि उसके मुखिया फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर एक मुस्लिम जनाधार वाली पार्टी के मुखिया हैं। आजादी के बाद से ही जम्मू-कश्मीर में एनसी या फिर पीडीपी राज करती चली जा रही हैं। पीडीपी भी मुस्लिम बहुल पार्टी है। इन दोनों दलों के राज करते चले आने की वजह से ही कश्मीर में आतंक और अलगाववाद परवान चढ़ा और घाटी से करीब पांच लाख हिंदू, सिख और बोद्धों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इन परिणामों से यह संदेश निकलता है कि अंततः भारतीय मुसलमान अपने भीतर समरसतावादी सोच विकसित नहीं कर पा रहे है। उन्हें आर्थिक अभाव और तंगदिलि तो पसंद है, लेकिन जिस भाजपा ने 370 खत्म करके घाटी में सुख और चैन दिया, उसे सत्ता देकर अपने सुखों को और बढ़ाना स्वीकार नहीं है। यहां आकर संविधान में मौजूद धर्मनिरपेक्षता ठिठक जाती है।

भाजपा ने हरियाणा में जरूर बाजी पलट दी है, किसानों के नाम पर राजनीति करने वाले नेताओं को पूरी तरह नकार दिया। वहीं वंशवादी राजनीति के पैरोकारों को धूल चटा दी। अतएव इस चुनाव ने हरियाणा में तय कर दिया है कि भविष्य में भी यहां वंशवादी राजनीति कोई बड़ा खेल, खेल पाएगी ऐसा लगता नहीं है ? हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम राज्यों की सीमाओं को लांघकर यह खुला संदेश दे रहे हैं कि भाजपा की आगे भी बढ़त बनी रहेगी और राहुल गांधी व अन्य विपक्षी दलों के भ्रामक मुद्दे अब मतदाता को भ्रमित नहीं कर पाएंगे ? क्योंकि चाहे हरियाणा हो या कश्मीर विकास और सामाजिक न्याय के मुद्दे भाजपा ने ही आगे बढ़ाए हैं। इसीलिए वंशवादी और उच्च जाति के लोगों से संवैधानिक नेतृत्व की कमान छिटक कर पिछड़े, अति पिछड़े और दलित व आदिवासियों तक पहुंच रही है। इन परिणामों से भाजपा के उस मनोबल को बल मिला है, जो लोकसभा चुनावों के परिणामों के बाद थोड़ा निराश हो गया था। हालांकि भाजपा हमेशा हार से सबक लेकर सुधारवादी प्रयोग करने लग जाती है। इन्हीं प्रयोगों के तहत भाजपा ने अग्निवीरों को लेकर जो शंकाएं थीं, उन्हें दूर किया। कृषि सुधारों का दायरा बढ़ाया और समर्थन मूल्य की दरें तो बढ़ाई हीं, फसलों की संख्या भी बढ़ा दी।

इस जीत का असर अखिल भारतीय राजनीति में तो दिखाई देगा ही, बल्कि पार्टी और संघ परिवार की आंतरिक की गतिशीलता बढ़ेगी और बाहर सक्रियता दिखाई देगी। जिसका असर महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली के चुनावों में दिखाई देगा। चूंकि अब भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ गया हैं, इसलिए वह इन तीनों ही राज्यों में अपनी पूरी ताकत झोंक देगी। महाराष्ट्र में भाजपा के साथ महायुति में शिवसेना शिंदे और अजीत पवार की एनसीपी शामिल हैं। वहीं महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ शिवसेना उद्धव ठाकरे और एनसीपी शरद पवार हैं। साफ है, यहां मुकाबला शरद पवार की साख और मोदी के विश्वास पर होगा। जिसमें अब मोदी भारी पड़ते दिखाई दे सकते हैं। वैसे देखा जाए तो भाजपा का प्रदर्शन सीधे दो दलों की टक्कर में अच्छा रहता है। इस मुकाबले में यदि कांग्रेस है तो भाजपा की जीत की उम्मीद बढ़ जाती है। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र ने भाजपा को बड़ा झटका दिया है। लोकसभा में भाजपा के पास सामान्य बहुमत हैं और राज्यसभा में वह बहुमत के करीब हैं। अब उसके लिए चिंता और चुनौती की बात यह है कि यदि महाराष्ट्र में वह 105 से कम सीटें जीतती हैं तो भविष्य में उसके राज्यसभा सांसदों की संख्या कम हो जाएगी। ऐसे में वह जिस महत्वाकांक्षी विधेयक एक देश एक चुनाव को पारित कराना चाहती है, उसे पारित कराने में दिक्कतें आएंगी।

झारखंड में भाजपा ने अपनी पहुंच मजबूत करने की दृश्टि से पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृशि मंत्री शिवराज सिंह चैहान को चुनाव की कमान सौंप दी है। शिवराज मतदाता को लुभाने की दक्षता रखने के साथ आदिवासियों को गले लगाने की रणनीति को अंजाम तक पहुंचाने में कुशल हैं। मध्यप्रदेश में आदिवासियों को आकर्षित करने का यह खेल वह बड़ी चतुराई से करते रहे हैं। भाजपा ने यहां के क्षेत्रीय दल अजासू से गठबंधन को अंतिम रूप देकर चंपाई सोरेन के साथ अवैध घुसपैठ और मतांतरण के मुद्दे को उछालकर हेमंत सोरेन को कठघरे में खड़ा करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा पर आश्रित है। जो अब अपनी ताकत के क्षरण के दौर से गुजर रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा में सीधा मुकाबला होगा। शराब नीति घोटाले में घिरे अरविंद केजरीवाल सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद छोड़ चुके हैं। उन्होंने आतिशी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठा दिया है। लेकिन अब केजरीवाल की वह छवि नहीं रही, जो ईमानदार मुख्यमंत्री के रूप में बनी थी और उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुछ अनूठे कार्य करके मतदाता को लुभाने का काम किया था। अब उनकी छवि बहुत कुछ धूमिल हो गई है, यह इस बात से पता चलता है कि हरियाणा चुनाव में आप का खाता नहीं खुल पाया। उनके ज्यादातर प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा पाए। अतएव दिल्ली में आप पार्टी को झाड़ू लग जाए तो कोई हैरानी की बात नहीं होगी। बहरहाल ये चुनाव परिणाम भाजपा के लिए नई उम्मीद लेकर आए है।

मुद्दा

स्मार्ट बिजली मीटर परियोजना : हंगामा क्यूं है बरपा

संजय पराते

लेखक छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं।

दक्षिण मुंबई में बेस्ट (विद्युत वितरण कंपनी) ने स्मार्ट बिजली मीटर लगाने के काम को स्थगित कर दिया है। इस कंपनी के 10.8 लाख आवासीय और व्यवसायिक उपभोक्ता है और 3 लाख स्मार्ट मीटर वह लगा चुकी है। जिन घरों या दुकानों में ये मीटर लगाए गए हैं, सबकी शिकायत है कि पहले की अपेक्षा दुगुने और तिगुने बिजली बिल आ रहे हैं। उपभोक्ताओं का विरोध इतना जबरदस्त है कि बेस्ट को स्मार्ट बिजली मीटर लगाने की यह परियोजना स्थगित करनी पड़ी है। यह 'स्थगन' इसलिए जरूरी था कि कुछ दिनों के बाद ही महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं।

रांची में सरकार द्वारा जोर-जबरदस्ती से स्मार्ट मीटर लगाए जाने की खबरों के बीच एक खबर यह भी है कि बिहार के भागलपुर जिले के जगदीशपुर ब्लॉक में नेहा कुमारी नामक एक बीपीएल उपभोक्ता को 64 लाख रुपये का बिजली बिल भेजा गया है और उसकी शिकायत की कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बिहार में स्मार्ट मीटरों के जरिए उपभोक्ताओं को लूटने और फ्रॉड बिलिंग की शिकायतें बहुत बढ़ गई है।

ये स्मार्ट मीटर अडानी और टाटा की कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा बनाए जा रहे हैं। उत्तरप्रदेश में विद्युत वितरण निगम ने अडानी समूह के स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का 25000 करोड़ रुपयों का टेंडर निरस्त कर दिया है, क्योंकि अडानी प्रति मीटर 10000 रूपये ले रहा था। निगम का मानना है कि इन मीटरों की कीमत वास्तविक लागत से बहुत ज्यादा है।

पूरे देश में इन स्मार्ट मीटरों को लगाए जाने के खिलाफ प्रदर्शनों की बाढ़ आ गई है और जगह-जगह उपभोक्ता इन मीटरों को उखाड़ कर फेंक रहे हैं और पुराने मीटरों को ही लगाने की मांग कर रहे हैं। विभिन्न राज्यों की विद्युत वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) भी स्मार्ट बिजली मीटर परियोजना के पक्ष में नहीं है। लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार इस परियोजना के पक्ष में अड़ी हुई है। उसका कहना है कि बिजली क्षेत्र के 'आधुनिकीकरण' (इसे 'निजीकरण' पढ़ें) के लिए यह जरूरी है। लेकिन सरकार के पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि यह कैसा 'आधुनिकीकरण' है, जो उपभोक्ताओं पर कहर ढा रहा है!

भाजपा सरकार का कहना है कि उपभोक्ताओं को नए स्मार्ट मीटरों का विरोध नहीं करना चाहिए, क्योंकि पुराने और नए में कोई अंतर नहीं है। लेकिन भाजपा सरकार चुप है कि यदि दोनों मीटरों में कोई अंतर नहीं है, तो देश के 28 करोड़ मीटरों को बदलने के लिए 2.80 लाख करोड़ रुपयों को खर्च करने की कवायद क्यों की जा रही है। अंततः इस खर्च से फायदा किसे होना है?

इसी सवाल के जवाब में पूरी 'राम कहानी' छिपी है। चूंकि ये स्मार्ट मीटर अडानी और टाटा द्वारा बनाए जा रहे हैं, पुराने मीटरों को बदलने का सीधा फायदा अडानी और टाटा को ही होगा। जिस धनराशि का उपयोग आम जनता के लिए समाज कल्याण कार्यों के लिए होना चाहिए था, उसकी जगह 2.80 लाख करोड़ रुपए इन दो कॉर्पोरेटों की तिजोरियों में डाला जा रहा है।

लेकिन मामला केवल यही तक नहीं है। असली मामला है बिजली क्षेत्र के निजीकरण का और कॉरपोरेट कंपनियों के लिए बाजार बनाने का। इन मीटरों को प्री-पेड योजना से जोड़ा जा रहा है, जिसका अर्थ है कि इन मीटरों को (मोबाइल की तरह) पहले रिचार्ज करना होगा..याने पैसा खतम, बिजली गुल! यदि एजेंसी की किसी तकनीकी खराबी के कारण भी स्मार्ट मीटर नो-बैलेंस दिखाएगा, तो आपकी बिजली कट जायेगी और फिर से जोड़ने के लिए जुर्माना अदा करना पड़ेगा।

लेकिन खतरा केवल यहीं तक नहीं है। यदि बिजली क्षेत्र का निजीकरण होता है, तो बिजली वितरण और इसकी दरों को निर्धारित करने का काम भी अडानी और टाटा की कॉरपोरेट कंपनियां ही करेगी और ये कंपनियां ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए बढ़े-चढ़े दामों पर बिजली बेचने के लिए स्वतंत्र होगी। विद्युत नियामक आयोग निष्प्रभावी हो जाएगा और इनके दामों पर लगाम लगाने के लिए सरकार के पास कोई ताकत नहीं होगी। क्रॉस सब्सिडी, जिसके कारण आज गरीबों, घरेलू उपभोक्ताओं और किसानों को सस्ती बिजली मिलती है, बंद हो जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर ये तबके इन दामों को वहन करने की स्थिति में ही नहीं होंगे। इसके साथ ही, भाजपा सरकार बिजली की कीमतों को टाइम ऑफ डे (टीओडी) से भी जोड़ने जा रही है, जिसका अर्थ है कि रात के समय बिजली महंगी मिलेगी, जबकि सभी लोग बिजली का अधिकतम उपयोग रात को ही करते हैं।

भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तावित जन विरोधी बिजली संशोधन विधेयक में ये सभी प्रावधान हैं और पूरे देश में स्मार्ट मीटर लगाने की परियोजना इसी का हिस्सा है। इन मीटरों का जीवनकाल केवल 7 साल है। जैसे कुछ सालों बाद मोबाइल काम करना बंद कर देते हैं, वैसे ही इन मीटरों को 7 साल बाद बदलना जरूरी हो जाएगा। आज सरकार अपने खजाने से पैसा दे रही है, कल उपभोक्ताओं को अपनी जेब से देना होगा। आज इन मीटरों की कीमत 10000 रूपये हैं, 7 साल बाद इनकी कीमत दुगुने से भी ज्यादा होगी।

आज पूरी दुनिया में बिजली वितरण का 70 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा सार्वजनिक स्वामित्व में है, जिसके चलते क्रॉस सब्सिडी देना संभव होता है और कमजोर तबकों को वहनीय कीमतों पर बिजली मिलती है। लेकिन हमारे देश में भाजपा सरकार क्रॉस सब्सिडी को खत्म करने और पूरे बिजली वितरण के काम का निजीकरण करने की दिशा में बढ़ रही है। महंगी बिजली देश के खाद्यान्न उत्पादन और खाद्यान्न सुरक्षा को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगी। वैश्विक भूख सूचकांक में आज देश 105वें स्थान पर है। महंगी बिजली इस दर्जे को और नीचे ले जाएगी। साफ है कि यह नीति कॉर्पोरेटों को मालामाल करेगी और गरीबों को और ज्यादा कंगाल। यह नीति देश को अंधेरे में ढकेलने की साजिश है।

आज आम जनता के लिए बिजली एक बुनियादी जरूरत है, जिसके बिना मानव सभ्यता के विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यदि कोई सरकार आम जनता को इस बुनियादी जरूरत से ही वंचित करने की कोशिश करती है, तो ऐसी सरकार को असभ्य और बर्बर ही कहा जाएगा। सभ्यता को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी है कि ऐसी असभ्य सरकार की विदाई सुनिश्चित की जाए। इतिहास बताता है कि आम जनता की लामबंदी और राजनैतिक इच्छा शक्ति से ऐसा होना मुमकिन है।

खाद खरीदने किसान क्यों लगे कतार में?

दृष्टिकोण

विनोद नागर

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है। कृषि पर आधारित अर्थ व्यवस्था मौसम के मिज़ाज पर निर्भर करती है। श्री रामचरितमानस में वर्णित- का वर्षा जब कृषि सुखानी.. का आशय भी यही है कि खेती सूखने के बाद बारिश का कोई महत्व नहीं होता यानि अवसर निकल जाने पर सहायता व्यर्थ होती है। धरती पुत्र की आजीविका के साधन को लाभ का व्यवसाय बनाने की कोशिशों ने खेती किसानी का स्वरूप ही बदलकर रख दिया है।

देश की आजादी के समय दो बीघा जमीन के लिए खटते किसान को यूरिया खाद और उन्नत बीज का झुनझुना किसने थमाया? घातक रसायनों से निर्मित कीटनाशक गांव-गांव में कैसे पहुंच गये? खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण की माकूल व्यवस्था किए बगैर किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाप शनाप खरीदी के लिए जवाबदेह कौन है? कल का अन्नदाता क्यों आज तक विपन्नता का अभिशाप झेल रहा है? यदि ऐसा नहीं है तो कर्ज में डूबे किसानों की आत्म हत्या के मामलों में कमी क्यों नहीं आ रही?

खबर विमर्श के लिए यह मुद्दा हाल में उस सचित्र समाचार को पढ़ने के बाद चुना, जिसमें मुरैना जिले में खाद के लिए रात दो बजे से किसानों की कतार लगने का जिक्र था। मार्कफेड के गोदाम से डीएपी खाद वितरण की लचर टोकन व्यवस्था ने किसानों की भीड़ को हंगामा करने पर मजबूर कर दिया। उत्तेजित किसानों के रोष को भांपकर जिम्मेदार तंत्र वहां से भाग खड़ा हुआ। अंततः जिला प्रशासन को अंबाह, जौरा, सबलगढ़ और कैलारस में पुलिस की सुरक्षा में टोकन बँटवाने पड़े।

इससे पहले शिवपुरी जिले में खाद की कमी से जूझते एक किसान की पुलिस द्वारा पिटाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इधर नर्मदापुरम जिले के इटारसी में खाद के लिए लाइन में लगे किसानों पर पुलिस द्वारा लाठियां भांजने की सुर्खियों के बाद तो यह मुद्दा राजनीतिक स्तर पर और गर्माने लगा है। जाहिर है किसानों के हित संरक्षण की आड़ में अब जमकर राजनीतिक रोटियां सेकी जाएंगी।

बहरहाल, बुनियादी सवाल यह है कि आखिर किसानों को खाद खरीदने के लिए कतार में क्यों लगना चाहिए? क्या कृषि आदान के रूप में खाद को हम सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित मूल्य की दुकान से बंटने वाली उपभोक्ता सामग्री माने! जिसके लिए कभी कंट्रोल की दुकानों पर लंबी लाइनें लगा करती थीं। इधर कृषि उपज मंडियों में भी बंपर आवक होने पर किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए ट्रैक्टर ट्रालियों की लंबी लाइनें लगानी पड़ती हैं।

क्या ग्रामीण क्षेत्र की किसानों से जुड़ी इन गंभीर समस्याओं की ओर किसी का ध्यान नहीं है? जबकि केन्द्र में तो कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का नेतृत्व प्रधानमन्त्री ने एक भूमिपुत्र किसान राज नेता के हाथों में ही सौंप रखा है। डेढ़ दशक तक मध्य प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री रहते हुए वे स्वयं को आए दिन किसान का बेटा कहते नहीं अघाते थे। कृषि कैबिनेट का नवाचार भी उन्हीं के कार्यकाल में फलीभूत हुआ था। फिर एमपी एग्रो, मार्कफेड, नाफेड, नाबार्ड, इफ्को, कृभको जैसी अनेक एग्रो कोऑपरेटिव संस्थाएं किसानों के हितों की रक्षा के लिए नए ठोस उपाय सुनिश्चित करने के बजाय दशकों से चले आ रहे पुराने ढर्रे पर ही क्यूं अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं?

जब सरकार को अच्छी तरह मालूम है कि हर साल रबी और खरीफ के सीजन में किसानों को खाद की जरूरत होती है। फिर डीएपी खाद मुफ्त में मिलने वाली सब्सिडी नहीं है, जिसे पाने के लिए किसान सरकारी गोदाम के चक्कर लगाए। देश में खाद की कमी भी नहीं है, जिसका ठीकरा फर्टिलाइजर कंपनियों पर फोड़ा जाए। सारा गड़बड़झाला ऊपर से नीचे तक कुप्रबंधन का है।

कागज़ी कार्यवाही के सरकारी तंत्र में राज्य सरकारें हर साल रबी और खरीफ के सीजन में अपनी डिमांड का आकलन कर केन्द्र सरकार को भेजती हैं, जिसके आधार पर निर्धारित एजेंसियों के माध्यम से निचले स्तर तक खाद की आपूर्ति की जाती है। बस यहीं तालमेल गड़बड़ाने पर वितरण व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है। संबंधित जिम्मेदार पक्ष एक दूसरे पर दोषारोपण कर पतली गली से निकल जाने के रास्ते ढूंढने में लग जाते हैं। जाने अनजाने सारा जन आक्रोश पुलिस और प्रशासन को ही झेलना पड़ता है।

आज गांव-गांव में मोबाईल फोन की सुविधा पहुंच चुकी है। सरकार चाहे तो कंप्यूटर नेटवर्क के जरिए पूरे प्रदेश के किसानों का डेटा बेस तैयार कर आधुनिक संचार प्रौद्योगिकी की सहायता से खाद ही नहीं बल्कि बीज, कीटनाशक, उन्नत कृषि उपकरण, सिंचाई पम्प आदि से जुड़ी तमाम आवश्यक सेवाएं सुगमता से सुलभ करा सकती है। जब शहरी क्षेत्र में अमेजन, फ्लिपकार्ट और ब्लिंकिट जैसी कंपनियां सफलतापूर्वक घर पहुंच सेवा लोगों को उपलब्ध करा सकती हैं तो ग्रामीण भारत इससे वंचित क्यों रहे?

विदेशी न सही भारतीय युवाओं के स्टार्ट अप तो यह काम करने के लिए राष्ट्रहित में आगे आ सकते हैं। दीजिए न उन्हें मौका और प्रोत्साहन! हो सकता है फिर न लगे किसानों की कतार खाद खरीदने के लिए..!! न पुलिस को लहराने पड़े डंडे किसानों की बेकाबू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए..द्य

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुसद्दीलाल की पुरस्कार पीड़ा

श्याम यादव

(व्यंग्यकार और लेखक)

मुसद्दीलाल सुबह-सुबह ही घर आ गए। दुआ सलाम के बाद उन्होंने अपने झोले से अपनी एक नई किताब निकाली और मेरे हाथों में सौंपते हुए बोले 'यह लीजिए मेरी 50वीं किताब भी प्रकाशित हो गई।' मैंने पुस्तक हाथ में लेते हुए उन्हें बधाई देते हुए बैठने का आग्रह किया और श्रीमती को चाय का प्रबंध करने का अनुरोध भी। चाय के नाम पर मुसद्दी बोले अब चाय की टोक है तो पीकर जाना ही होगा। पर, जरा जल्दी सभी मित्रों को अपनी नई किताब देने जाना है।मुसद्दी ने बैठते ही अपना दर्द मुझसे साझा करना शुरू कर दिया।

देखो अब तक 50 किताब प्रकाशित हो गई, पर अभी तक कोई पुरस्कार नहीं मिल सका। उस वर्मा को देखो उसे अपनी पहली ही किताब पर 60 हजार का पुरस्कार मिल गया था। जबकि, उसे तो साहित्य का क, ख, ग भी नहीं आता। सुना है सब सेटिंग से हुआ। मैंने मुसद्दी से बोला कि पुरस्कार आखिर पुरस्कार होता है जब वह मिलता है तो फोटो छपती है। पुरस्कार कैसे मिला हर कोई नहीं जानता। मगर पुरस्कार मिला, यह सब जानते है।

देखो अब तक 50 किताब प्रकाशित हो गई, पर अभी तक कोई पुरस्कार नहीं मिल सका। उस वर्मा को देखो उसे अपनी पहली ही किताब पर 60 हजार का पुरस्कार मिल गया था। जबकि, उसे तो साहित्य का क, ख, ग भी नहीं आता। सुना है सब सेटिंग से हुआ। मैंने मुसद्दी से बोला कि पुरस्कार आखिर पुरस्कार होता है जब वह मिलता है तो फोटो छपती है। पुरस्कार कैसे मिला हर कोई नहीं जानता। मगर पुरस्कार मिला, यह सब जानते हैं।

मुसद्दी बोले एक बात बोलूं ... यदि किसी से न बताए तो? मैंने मुसद्दी के चेहरे पर कतार अनुरोध का भाव देखा और बोल दिया जा हां हां बोलो! मुसद्दी मेरे लिए भी पुरस्कार की कोई जुगाड़ करो न पर किसी को पता ना चले। मुझसे मुसद्दी का दर्द देखा नहीं गया। मैंने कहा क्यों नहीं। मगर तुमसे होगा नहीं!मुसद्दी तुरंत बोल उठे होगा क्यों नहीं मैं सब करूंगा बस एक बार नकद का जुगाड़ करवा दीजिए। मैंने कहा कि इसी 50वीं किताब पर एक लाख का पुरस्कार मिल सकता है। लेकिन... ! लेकिन क्या भाई साहब उत्सुकता से मुसद्दी ने पूछा! मैं बोला ... देखो मुसद्दी मात्र 15 फीसदी ही हाथ आएगा। मुसद्दी का चेहरा तमतमा गया भाई ये तो बहुत ज्यादा नहीं हो गया? 20 या 25 तक का एडजस्टमेंट तो ठीक है सीधा 85 फीसदी? मैं बोला देखो ...मैंने पहले ही कहा था तुमसे ना हो पाएगा। तुम तो बस अपनी पूंजी से कागज काले रहते रहो और किताब छपवाते रहो, पुरस्कार को तो भूल ही जाओ।

मुसद्दी ने चाय की अंतिम चुस्की ली और मेरी और देखने लगा। मैंने कहा देखो मुसद्दी जीवन में साहित्य ही नहीं बल्कि गुणा भाग भी आना चाहिए। साहित्य की कोठरी से बाहर निकलो, दुनिया के साथ चलो। किताबी ज्ञान से ज्यादा व्यावहारिक ज्ञान पर ध्यान दो। अभी तुम्हारे पास कुछ नहीं है न।मुसद्दी बोले ..हां। पुरस्कार मिला तो 15 हजार तो हाथ में होंगे न। नाम भी एक लाख का होगा, समझे।

देखा पढ़ा

ब्रजेश कानूनगो

समुद्र में डूबते देश की अर्थव्यवस्था का आधार

किसी भी देश का जनजीवन और लोगों की खुशहाली वहां की अर्थव्यवस्था पर निर्भर करती है। यद्यपि प्रति व्यक्ति आय जैसे आंकड़े का भी बहुत महत्व होता है बल्कि कुछ अधिक ही होता है। सकल घरेलू आय का समान वितरण आबादी के बीच समान रूप से नही होने से समाज में निर्धन और संपन्न वर्गों के खांचे बन जाते हैं तो बड़े देशों में खुशहाली में भी असमानता दिखाई देती है। लेकिन जब देश बहुत छोटे हों तो अमीरी गरीबी के बीच की यह खाई उतनी गहरी दिखाई नहीं दे पाती। जिनकी अर्थव्यस्था कमजोर है तो गरीब होते ही हैं। जिन छोटे देशों की अर्थ व्यवस्था बेहतर होगी तो लोगों में खुशहाली भी बेहतर हो जाती है।

यदि क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व के चार सबसे छोटे देशों की बात करें तो मात्र 0.44 वर्ग किलोमीटर वाला वेटिकन सिटी सबसे छोटा देश है, इसके बाद मीना को 2.10 वर्ग किलोमीटर, नाउरू 21 वर्ग किलो मीटर के बाद तुवालू 26 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ चौथा सबसे छोटा देश है। तुवालू की अर्थ व्यवस्था में जिस चीज का महत्वपूर्ण योगदान है वह हमारी सामान्य समझ को चौंका देती है।

तुवालु दक्षिण प्रशांत महासागर में नौ छोटे द्वीपों का एक समूह है, जिसने 1978 में यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। इनमें से पांच द्वीप प्रवाल द्वीप हैं, जबकि अन्य चार समुद्र तल से ऊपर उठी भूमि से बने हैं। पूर्व में एलिस द्वीप के नाम से जाने जाने वाले ये सभी द्वीप निचले इलाके में हैं, और तुवालु की समुद्र तल से ऊंचाई 4.5 मीटर से अधिक नहीं है। ग्लोबल वार्मिक के कारण समुद्र का जल स्तर ऊपर उठ रहा है, ऐसे में यह खतरा भी यहां पैदा हुआ है कि कुछ ही वर्षों बाद ये द्वीप डूबकर विलुप्त हो सकते हैं। ट्रेवल व्लॉगरों को तुवालू की यात्रा करने में काफी दिलचस्पी रहती है। पिछले दिनों पैसेंजर परमवीर और डॉक्टर यात्री व्लाग के परमवीर और नवांकुर के यूट्यूब वीडियो हमने देखे और यहां के जनजीवन को जाना समझा है।

तुवालू की राजधानी फुनाफुटि है जहां एक मात्र अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है जहां प्रति सप्ताह दो तीन फ्लाइट का संचालन होता है, एयर कनेक्टिविटी केवल फिजी के जरिए ही होती है। बाकी समय यहां के रन वे का उपयोग खेल के मैदान के रूप में होता है। बच्चे और अन्य लोग इसका आनंद उठाते हैं। परिवहन के रूप में एक सिरे से दूसरे सिरे तक बस सड़क बनी हुई है, लोग पैदल ही यात्रा कर लेते हैं, कुछ दुपहिया वाहन भी हैं। सरकारी अधिकारियों के पास कुछ कारें भी हैं किंतु उनका उपयोग बहुत कम किया जाता है। यहां की आबादी ही केवल 11,500 है जो 26 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैली है तो यहाँ की आवश्यकताओं को आसानी से समझा जा सकता है। हमने देखा कि इन द्वीपों पर जीवन सरल किंतु बहुत कठिन होता है। यहां कोई नदी या अन्य जल स्रोत नहीं हैं, इसलिए बारिश के पानी के संग्रहण से ही लोगों का काम चलता है। नारियल तथा ताड़ के पेड़ ज़्यादातर द्वीपों पर फैले हुए हैं, खोपरा,सूखे नारियल की गिरी आदि ही व्यावहारिक रूप से निर्यात करने योग्य उपज है। यहां की मिट्टी में बढ़ती हुई लवणता के कारण पारंपरिक खेती करना जोखिमपूर्ण है।

तुवालू ने आय के अन्य नवोन्मेषी स्रोत का दोहन करके चतुराई दिखाई है। हम सब जानते हैं कि आधुनिक विश्व एक ग्लोबल समाज बन गया है, जिसकी सारी संरचनाएं, एकजुटता इंटरनेट जैसी आधुनिकतम तकनीक पर निर्भर है। दुनिया की रक्तवाहिनियों में इंटरनेट के प्रवाह से धड़कने बनी हुई हैं। हर संस्था, कंपनी,व्यक्ति या सरकारों की अपनी अलग अलग वेब साइट होती हैं, जो अपने डोमेन के जरिए अंतरराष्ट्रीय रूप से संजाल से जुड़ पाती हैं। ईमेल, वेब सर्च और अन्य कई गतिविधियों के लिए टॉप लेवल डोमेन बनाया जाता है। यह वह हिस्सा होता है जो डोमेन नेम के बिलकुल आखिर में होता है। जिसे हम डॉट कॉम या डॉट इन आदि से जानते हैं।

डॉट कॉम का मतलब होता है यह वेब साइट कमर्शियल उपयोग के लिए है। डॉट ओआरजी का मतलब है यह संस्थागत वेब साइट है। डॉट जीओवी का मतलब है यह गवर्नमेंट साइट है। इसी तरह देश का कोड भी होता है। कंट्री कोड टॉप लेवल डोमेन। इससे पता चल जाता है कि यह किस देश का डोमेन है। जैसे भारत के लिए डॉट इन, अमेरिका के लिए डॉट यू एस और ब्रिटेन के लिए डॉट यू के। इसी तरह तुवालू का डोमेन बनता है डॉट टीवी। जोकि टेलीविजन शब्द का लघु रूप हो जाने से महत्वपूर्ण हो गया है। तुवालू में न तो इंटरनेट है न ही ऑनलाइन कोई संरचना, उसने अपने इंटरनेट कंट्री कोड डोमेन डॉट टीवी को (.tv) कैलिफोर्निया की एक कंपनी को कई मिलियन डॉलर प्रति वर्ष की निरंतर आय के लिए बेच दिया है। कंपनी इस डोमेन को टेलीविजन प्रसारकों को बेचती है। तुवालू की आय का यह बड़ा स्रोत बन गया है। तुवालू की अर्थ व्यवस्था का यही वह राज है जिससे वहां का जीवन थोड़ा सुगम हुआ है।

द्वीप के डूबने के खतरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बड़े उपाय किए हैं, अपने यहां तुवालू के नागरिकों को बसने के लिए काफी सुविधाएं और स्थान उपलब्ध कराने के बहुतेरे प्रयास जारी हैं। तुवालू के बारे में इतनी अनजानी जानकारी जुटाने की प्रेरणा में यूट्यूब के ट्रेवल व्लॉगरों के योगदान को हम भुला नहीं सकते। किताबों की तरह घुमक्कड़ों के कैमरों से दुनिया को देखने का भी अपना एक सुख है।

पुस्तक समीक्षा

सत्य प्रकाश 'शिक्षक'

समीक्षा

हाशिये पर जी रहे लोगों का चित्रण करती लघुकथाएं

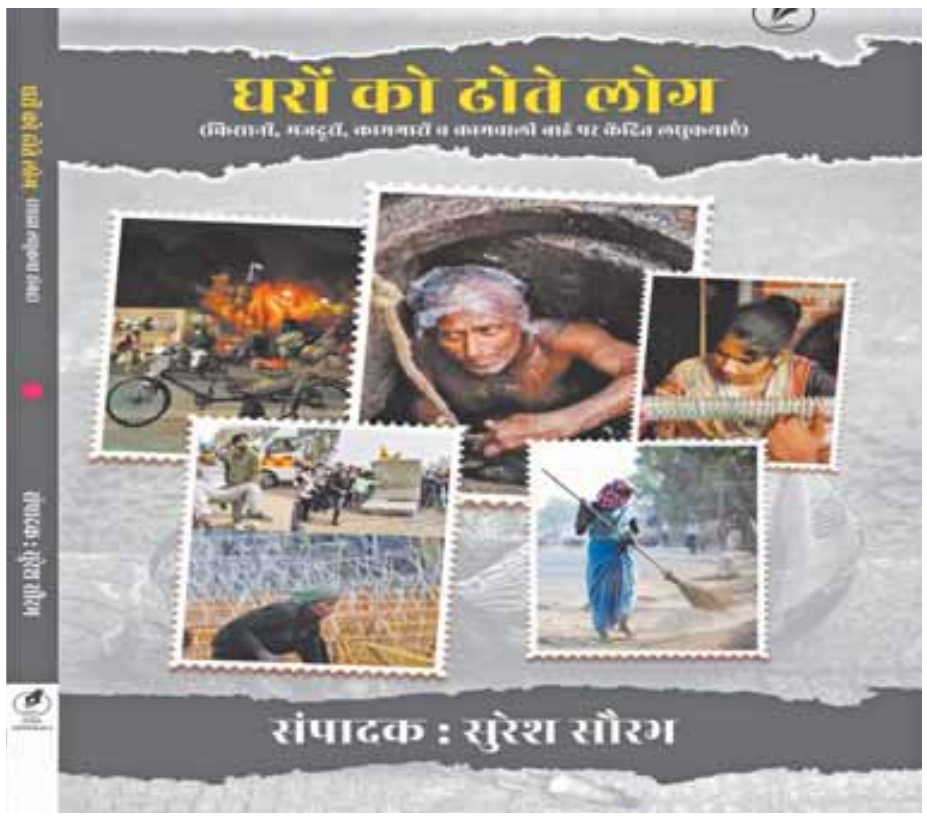

'घरों को ढोते लोग' विख्यात लेखक एवं संपादक सुरेश सौरभ के संपादन में संग्रहित 71 लघुकथाओं का अप्रितम संकलन है। ये लघुकथाएं हर वर्ग तथा प्रत्येक क्षेत्र में शोषित वंचित लोगों की बात को,उनके दर्द को एक शिद्दत से बयां करती हैं। सुरेश सौरभ कुशल संपादक के साथ-साथ एक श्रेष्ठ लेखक भी हैं, यह गुण उनके हर संग्रह में दिखाई देता है। संग्रह की अंतिम दो लघुकथाएं 'कैमरे' और 'हींगवटी' सुरेश सौरभ द्वारा लिखी गई हैं, जो बालश्रम पर करारा प्रहार करतीं हुई दिखाई पड़ती हैं। चुनाव हो या शादी बारात इन जगहों पर काम करने वाले बच्चों के साथ अनहोनी घटनाएं घट जाए, तो इसकी परवाह कोई नहीं करता।

योगराज प्रभाकर की लघुकथा 'अपनी-अपनी भूख' में जहां गरीबों के बच्चों को भरपेट भोजन नहीं मिलता वहीं अमीरों के बच्चों की भूख खोलने के लिए इलाज किया जाता हैं। मनोरमा पंत की लघुकथा 'बदलते रिश्ते' करुणा भरी, गहन वात्सल्य से ओतप्रोत कथा है। प्रत्येक लघुकथा का नायक चाहे, वह रिक्शा वाला हो या ड्राइवर हो या अन्य, सभी अपने कंधों पर घर की जिम्मेदारियों का बोझ ढोए हुए दौड़ लगा रहे हैं। मार्टिन जॉन की शीर्षक लघुकथा 'घरों को ढोते लोग' में कोई पेट की आग बुझाने के लिए घर ढो रहा है तो कोई सुख सुविधा बढ़ाने के लिए जुटा है। समाज के कटु सत्य को परोसती लघुकथा कबाड़ में रश्मि चौधरी की नायिका गृहणी, घर का कबाड़ बिना पैसे लिए कबाड़ी को दे देती है जबकि कबाडी पैसे देने के लिए लगातार बोलता रहता है।

भीषण गर्मी के बाद बरसात का मौसम जहां साधन संपन्न लोगों के लिए खुशनुमा पल होते हैं, वहीं यशोधरा भटनागर की लघुकथा 'कम्मो' में, कम्मो जब अपने घर पहुंचती है तो टपकती छत से भीग चुकी गीली लकड़ियों से पेट की आग बुझाना मुश्किल हो जाता है। इसी प्रकार डॉ.मिथिलेश दीक्षित की लघुकथा 'सलोनी' में कामवाली बाई का मार्मिक चित्रण है। अरविंद असर, अविनाश अग्निहोत्री, रश्मि लहर, सेवा सदन प्रसाद, गुलजार हुसैन, हर भगवान चावला, सुकेश साहनी बलराम अग्रवाल, डॉ.चंद्रेश कुमार छतलानी, मीरा जैन, विजयानंद जैसे सभी प्रतिष्ठित लघुकथाकारों की कथाएं संग्रह को बहुत ही मार्मिक और हार्दिक बनातीं हैं, पुस्तक की सभी लघुकथाएं सटीक और अर्थपूर्ण हैं। सार्थक एवं स्तरीय लघुकथाओं के लिए सभी रचनाकार बधाई के पात्र हैं। भूमिका प्रसिद्ध कथाकार सुधा जुगरान ने लिखी है, जिससे संग्रह और भी पठनीय बन पड़ा है। संपादक सुरेश सौरभ लघुकथा जगत में विशिष्ट स्थान बनाएं इन्हीं शुभकामनाओं के साथ हार्दिक बधाई।

पुस्तक-घरों को ढोते लोग
(साझा लघु कथा संग्रह)
संपादक-सुरेश सौरभ
मूल्य- 245
प्रकाशन- समृद्धि पब्लिकेशन
नई दिल्ली।

लघुकथा

डॉ. नीहार गीते

- चलती ट्रेन में महिला से छेड़छाड़, बचाने आए पति को बदमाशों ने चलती ट्रेन से फेंका।
- फुटपाथ पर सोई डेड़ साल की बालिका से दुष्कर्म।
- गुंडों द्वारा पिटते भाई को बचाने गई बहन को घर में घुसकर मारा।
- पांचवी गली में घूमती पगली फिर गर्भवती दिखी।
- तीन माह की बच्ची से दुष्कर्म कर दुष्कर्मी ने उसका गला घोंटा ।
- लॉन में बैठकर चाय की चुस्कियां लेते बाल एवं महिला विकास आयोग के वरिष्ठ अधिकारी जोर से चिल्लाए, अरे कोई है क्या? महिला-महिला, दूसरा अखबार लाओ बे।
- बाहर आने से पहले अंदर साथ खेलती उनकी बेटी को नौकर ने कस के चूम लिया।

कला

पंकज तिवारी

कला समीक्षक

विजय दशमी, कला और कला में श्री प्रभु राम

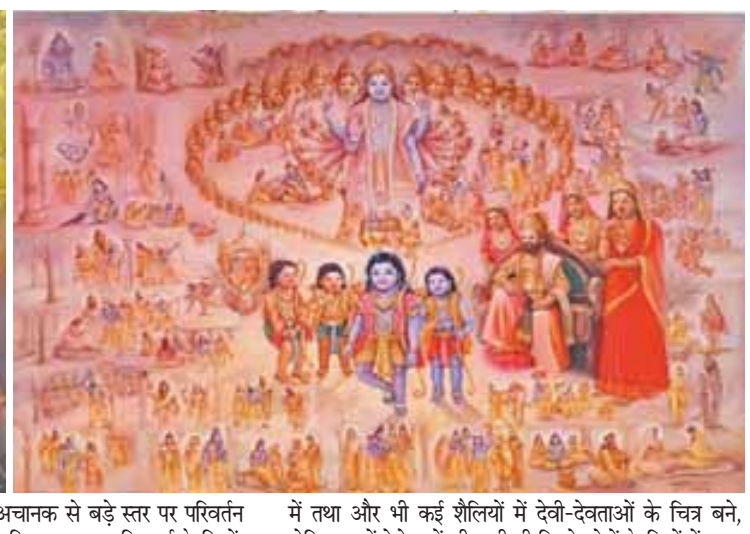

विजय दशमी के पावन पर्व पर हर तरफ हर्षोल्लास का माहौल है। प्रभु श्री राम और उनके विजय की गाथा है। चारों तरफ रावण दहन की बात है। अभिव्यक्ति के लगभग हर विधाओ में प्रभु श्रीराम को अपने-अपने तरीके से प्रस्तुत करने का चलन है। पहले भी रहा था आगे भी रहेगा। भारतीय कलाकारों में अपने संस्कृतियों को लेकर शुरू से ही अपार श्रद्धा के भाव देखे गये हैं फलतन धर्म ग्रंथों के साथ ही प्राचीन कथाओं पर भी कलाकृतियां देखने को मिल ही जाती हैं। राम के जीवन, समाज को आइना दिखाने वाले कर्तव्यों को अपने में समेटे रामायण ने कलाकारों, दर्शकों एवं पाठकों को सदियों से आकर्षित किया है। भारतीय कलाकारों के प्रिय विषय रहे हैं राम और उनसे जुड़ी कहानियां। मय की कहानी भी आम है। तत्कालीन समय में भी महलों, चौराहों या और भी विशेष जगहों पर कलाकृतियों का जिस्र5 है। त्योहारों पर या किसी विशेष आयोजन पर जैसे शादी विवाहों में भी चित्रनिर्मिति का विधान रहा है। सीता और राम के विवाह के समय भी पूरे नगर को कलाकृतियों से सजा देने की बात सामने आती है। मधुबनी, कोहबर, रंगोली आदि लोक शैलियों में भी प्रभु श्री राम से संबंधित कृतियां देखने को मिलती हैं। उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के पटचित्रों में राम के जीवन की तमाम घटनाओं को सरलता, गूढ़ता दोनों रूपों में देखा जा सकता है। वर्ली, पिछवई लगभग हर जगह प्रभु श्री राम से संबंधित कृतियों से रूबरू हुआ जा सकता है। मध्यकालीन कृतियों में भी चाहे, उड़ीसा, बंगाल या बिहार की बात हो रामायण से संबंधित चित्र वहां भी मौजूद हैं हां इतना जरूर कहा जा सकता है कि जिस भी समय, काल या परिस्थितियों के बीच ये कृतियां बनी हैं उस समय के प्रभाव से वो बच नहीं सकी हैं मतलब साफ है कि विधि, विधान, विधाएं भले अलग-अलग रहे हों पर प्रभु श्री राम से संबंधित कृतियां रही हर जगह हैं। देश के साथ ही विदेशों में भी इनकी मौजूदगी है। राजस्थानी शैली, मुगल शैली सहित हर प्रकार के समय और शैलियों में प्रभु श्री राम और उनसे संबंधित घटनाओं के हजारों चित्र मौजूद हैं।

कोविड के दौर में रामायण के फिर से दूरदर्शन पर शुरू होने के साथ ही राम के गुणों की चर्चा, राम के संस्कार, भाइयों के बीच का दर्शन, गुणों-अवगुणों पर तार्किक बहस जैसे एक बार फिर से दबा हुआ मर्म उजागिर हो गया था। रामायण से संस्कार ग्रहण कर चुकी एक पीढ़ी जो लगभग अपने उम्र के कई बसंत पार कर चुकी है, बच्चों के संस्कार को लेकर चिंतित थी, उनके बाद की वह पीढ़ी, नई पीढ़ी जो पाश्चात्यता के विचारों के साथ तैयार हुई, उसमें चाह कर भी वह संस्कार नहीं डाल पाए और आए दिन नए-नए मुद्दों को लेकर कुछ ऐसी फिल्में भी बनीं जो भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रहीं। आदिपुरुष ने तो सारे रिकॉर्ड ही ध्वस्त कर दिए थे, जो बच्चों को भ्रमित करने हेतु काफी है हालांकि इस पर विस्तार से चर्चा की आवश्यकता है। जहाँ बच्चे जब गर्मियों की छुट्टियों में अपने घर जाते हैं तो उन्हें यह कहते आसानी से सुना जा सकता है कि हम तो दादी के घर जा रहे हैं, जहाँ दादी बस मनोरंजन की एक चीज बनकर रह गई है, जहाँ दादा बच्चों के बिगड़ते रूपों को देखकर घर के एक कोने में दुबक कर बस रो लेते हैं और अपने बच्चों के संस्कार को लेकर चिंतित है ऐसे दौर में रामायण के शुरू होते ही अचानक से बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिला। यही परिवर्तन मिला था राजा रवि वर्मा के चित्रों, विशेषतः धार्मिक चित्रों को देखकर। उस जमाने में जब ईश्वर की पहुँच मूर्त रूप से भारत के घर-घर में हो गया था रवि वर्मा के प्रेस में बने उनके अपने चित्रों के हजारों प्रतियों के रूप में।

अब हम कहें कि साहित्य और कला की प्रासंगिकता क्या है? क्या यह प्रश्न बचकाना नहीं लगता? जिस तरीके से लोग रामायण में पूरे जी-जान से अपने आप को प्रस्तुत कर देने वाले राम और सीता के रूप में अरुण गोविल तथा दीपिका को अपने भगवान के रूप में मानते हैं, उनके कदमों पर चलना चाहते हैं क्या सभी के जेहन में राम और सीता की यह तस्वीर नहीं बस गई है? आज लगभग सभी लोग राम और सीता को इसी रूप में पसंद कर रहे हैं इसी रूप में पूज रहे हैं। एक समय था जब राजपूत शैली, मुगल शैली अपने उद्देश्य को खो रही थी चित्रकार स्थिर होकर चित्रकारी नहीं कर पा रहे थे चित्र नहीं बना पा रहे थे कलाकारों को अपना जीवन यापन करना भी भारी पड़ रहा था, कला को लेकर अस्थिरता का माहौल व्याप्त था। भारतीय कला की स्थिति डाँवाडोल थी हालांकि मध्यकाल में, मुगल शैली में, कंपनी शैली में तथा और भी कई शैलियों में देवी-देवताओं के चित्र बने, लेकिन उनमें ऐसे गुणों की कमी थी कि वे लोगों के दिलों में जगह बना पाते, उन सबों में लोक संस्कृति, स्थानीयता तथा बेडौलता की छाप नजर आती थी। ऐसी कला नहीं मिल पा रही थी जो पूरे देश पर एक साथ अपना छाप छोड़ सके, उसी बीच आधुनिक कला में या कला के आधुनिक दौर में लोगों को देवी-देवताओं के एक नए रूप से परिचित करवाया गया। लोगों को देवी-देवताओं के सम्मोहक चित्रों से परिचित करवाने वाले कलाकार थे राजा रवि वर्मा। इनके द्वारा ही लीथोग्राफ प्रेस की स्थापना की गयी फलतः अधिक और सस्ते चित्रों का निर्माण होने से भारत के अधिकतर घरों में इनके चित्रों की पहुँच हुई, इनके चित्रों में लोगों को अपने भगवान नजर आये और उनकी पूजा भी हुई। अपने चित्रों के विषय और सजीवता के बल पर ही रवि वर्मा भारतीय जनमानस के दिलों पर राज करने लगे थे कहना गलत न होगा कि रवि वर्मा जन-जन के चित्रकार हो गये थे। रवि वर्मा प्रभु राम से संबंधित भी बहुत से चित्र बनाए। कृति 'श्री राम द्वारा धनुष तोड़ना' में प्रत्यंचा चढ़ाते ही धनुष का टूट जाना, बगल में खुश मुद्रा में लक्ष्मण, उनके गुरु और सिंहासन के पास राजा जनक। बहुत ही कम पात्रों के बाद भी पूरी बात दर्शा पाने में सक्षम है यह कृति वहीं दूसरे चित्र 'जटायु वध' में भी पूरी जीवंतता है। जटायु के पर काटता रावण के चेहरे पर का हास्य, पर कटते देख डरी हुई सीता और अंतिम क्षणों तक लड़ने को सज्ज जटायु, जिसके पर कट गये हैं, छोटे-छोटे कतरनों में बिखर कर जमीन पर गिर रहे हैं, दर्द से तड़प रहे जटायु का मुंह अभी भी वार करने के ही मुद्रा में दर्शित है। पूरी कृति जटायु वध के साथ ही गमगीन वातावरण को दर्शाने में सक्षम है। रावण के क्रूरता को भी दर्शाता है चित्र। 'श्री राम द्वारा समुद्र पर विजय प्राप्ति' नामक चित्र में रवि वर्मा ने भाव को दर्शाने हेतु पूरी तन्मयता के साथ खुद को प्रस्तुत किया है। एकदम सरल मानव रूप में राम। शरीर पर जनेऊ, सौम्य चेहरा, सादगीपूर्ण रहन-सहन, नीचे रखा कमंडल उनके शांतिप्रयता को दर्शाता है परन्तु आगे ही हाथ में धनुष, प्रत्यंचा पर चढ़ने को तैयार बाण और क्रोध से फैली हुई आंखे 'भय बिनु होय न प्रीत' वाले भाव के नजदीक लेकर जा रही है हालांकि चेहरे पर क्रोध का भाव उतने अच्छे तरीके से नहीं आ सका है जैसा आना चाहिए था। व्याकुल बादल, व्याकुल और घबराए वरुण, आसमान में चमकती बिजली, डर से, भय से इधर-उधर बेतहाशा भागतीं लहरें पूरे घटनाक्रम को आसानी से दर्शकों तक अपनी बात रख जाती हैं। कलाकार राजा रवि वर्मा के बाद भी तमाम कलाकारों द्वारा प्रभु श्री राम पर तमाम कृतियों का निर्माण हुआ है और अभी भी हो ही रहा है। आलेख के साथ संलग्न कृति 'राम दरबार' जबलपुर के प्रख्यात कलाकार रामकृपाल नामदेव जी द्वारा निर्मित है। प्रस्तुत कृति तुलसी कृत रामचरितमानस पर आधारित है। जिसमें प्रभु श्रीराम, माता सीता सहित लक्ष्मण, भरत, हनुमान सहित तमाम गणमान्य लोगों की उपस्थिति है। कृति में गजब की कोमलता है। रामकृपाल नामदेव की दूसरी कृति 'भगवान श्री राम की लीलाएं' जिसमें उनके कई लीलाओं का जीवंतता के साथ अंकन हुआ है, भी काफी भावपूर्ण है।

राम दरबार पर तो और भी कई कलाकारों ने अपनी तूलिका चलाई है। अभी हाल ही में जबसे श्री राम जी के मंदिर का निर्माण हुआ है उसके बाद से तमाम कैपों के जरिए भी प्रभु राम से संबंधित तमाम कृतियों का निर्माण हुआ जिसमें बहुत ही सुन्दर सुन्दर कृतियों का सृजन देखने को मिलता है।

लल्ली चौक से चल समारोह निकलने के बाद प्रशासन-पुलिस ने ली राहत की सांस

दूसरे दिन तक चलते रहा प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर

बैतूल। विजयादशमी पर दुर्गा प्रतिमा का चल समारोह दूसरे दिन रविवार तक चलते रहा। सबसे आखरी में टिकारी काली माँ की प्रतिमा निकली। इस जुलूस के लल्ली चौक से जाने के बाद प्रशासन और पुलिस अधिकारी वापस लौटे। चल शनिवार दोपहर से लेकर शाम तक कई सार्वजनिक प्रतिमाएं विसर्जित कर दी गई थी, लेकिन हर बार की तरह देर रात तक निकलने वाली प्रतिमाओं का विसर्जन न होने से प्रशासन और पुलिस की चिंताएं बनी रही। चल समारोह के दौरान डीजे

समारोह के दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लल्ली चौक पर निगरानी करते रहे। चल समारोह में इस बार किसी भी तरह की अप्रिय घटना निर्मित नहीं हुई, इससे प्रशासन के अधिकारियों को भी राहत मिली है। गौरतलब रहे कि शहर में एक सैकड़ा से अधिक स्थानों पर सार्वजनिक प्रतिमाएं स्थापित की गई थी। और बैंड की धुन पर कई घंटों तक कार्यकर्ता थिरकते रहे। बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन के सहारे करबला पर विसर्जित किया गया। इस दौरान पुलिस के साथ प्रशासन के अधिकारी भी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। इस उत्साह की भीड़ को देखने के लिए श्रद्धालुओं की संख्या भी बड़ी संख्या में मौजूद थी।

ड्रोन कैमरे से होते रही सतत निगरानी

चल समारोह में असामाजिक तत्व खलल न डाले, जिसे ध्यान में रखते हुए जगह-जगह पुलिस जवानों को तैनात किया था। साथ ही ड्रेन कैमरे के माध्यम से पूरे चल समारोह पर बारिकी से नजर रखी जा रही थी। खासतौर पर लल्ली चौक पर ड्रोन कैमरा लगाया गया था। ड्रोन से दूर-दूर तक जुलूस पर नजर बनी हुई थी। ड्रोन के अलावा पुलिस ने शहर के चौक-चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी। भीड़ को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद थे। दशहरा के चल समारोह में नगर पालिका ने करबला घाट सहित अन्य विसर्जन घाट बनाये थे, जहां प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इधर कलेक्टर, एसपी, एसडीएम, तहसीलदार, एएसपी, एसडीओपी, कोतवाली टीआई समेत सीएमओ और अन्य अधिकारी, कर्मचारियों ने निरीक्षण कर व्यवस्था बनाने के प्रयास किए।

पहलवानों ने दिखाए हैरत अंगेज करतब

बैतूल। दशहरा पर्व पर श्री बजरंग व्यायाम शाला कोठी बाजार द्वारा परंपरा अनुसार अखाड़ा निकाला। अखाड़ा व्यायाम शाला के वरिष्ट सदस्य उस्ताद नवनीत श्रीवास, नीटू जैन, खलीफा अरविंद मालवीय, दीपक कुशवाह, गुन्ना मिश्रा, प्रदीप मालवीय, प्रीतम यादव, सूरज, काका, यश, अंशुल, निखिल, दाउ, प्रिंस, मनीष, चम्पा, वीरू, आदि पहलवानों द्वारा पूजा अर्चना के पश्चात ढोल-धमाकों के साथ पहलवानों द्वारा अस्त्र-शस्त्रों की आकर्षक

कलाबाजियों का प्रदर्शन करते हुए दुर्गा मंदिर पहुंचा। जहां मंदिर समिति अध्यक्ष नीटू जैन, मनीष उदासी, डॉ.जौहरी, श्री राजपूत आदि के द्वारा अखाड़े का पूजन कर उस्ताद नवनीत श्रीवास खलीफा अरविंद मालवीय, दिलीप दादू मालवी, प्रदीप मालवीय, मनोज मिश्रा, प्रीतम यादव, गुन्ना मिश्रा सहित सभी पहलवानों का पुष्पहार और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। नगर के प्रमुख मार्ग से नन्हे-मुन्ने पहलवानों के द्वारा बेटियों द्वारा लाठी, बनेठी, भाला, तलवार, आग का गोला, पिरामिड आदि कलाबाजियों का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। लल्ली चौक पर सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। खलीफा अरविंद मालवीय द्वारा तलवार बाजी और पहलवानों के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दर्शकों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया। ज्ञातव्य हो कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान और फिल्म अभिनेता दारा सिंग ने अरविंद मालवीय को व्यायाम शाला में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया था। अखड़े का सैंकड़ों लोगों ने लुत्फ उठाया और मुक्त कंठ से सराहना की।

विजयादशमी पर निकला पथ संचलन, नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

बैतूल। विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा नगर में संघ गीत गाते हुए पथ संचलन निकाला गया। नगर के पुलिस मैदान पर एकत्रित स्वयंसेवकों ने पूरे अनुशासन और जोश के साथ संचलन किया, जिसका नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। सह जिला संघचालक खेमराज डढोरे, नगर संघचालक संजय, मुख्य अतिथि श्रीमती डॉ. कृष्णा मौसीक और मुख्य वक्ता प्रांत शारीरिक शिक्षण प्रमुख त्रिरीश लोधी, बैतूल आरआरएस के जिला प्रचारक शिवम ग्वाले, जिला कारवाहा ज्ञानदेव आहके, स्वयंसेवक केंद्रीय मंत्री डीडी उईके, विधायक हेमंत खंडेलवाल, नगर कार्यवाहा लोकेश झरबड़े, आरएसएस के मुख्य शिक्षक दीपक सोनी, अरूण किलेदार सहित आरएसएस के सैकड़ों सैनिक उपस्थित रहे। त्रिरीश लोधी ने स्वयंसेवकों और नगरवासियों को विजयादशमी और नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए संगठन के महत्व को समझाया। उन्होंने अपने उद्बोधन में पंच परिवर्तन की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि समाज को जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने परिवारों को एकजुट रखने के महत्व पर भी जोर दिया और स्वदेशी जीवन शैली अपनाने की अपील की। पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर और प्लास्टिक का उपयोग कम करके हम ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपट सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने नागरिक शिष्टाचार, स्वच्छता, यातायात नियमों का पालन, हेलमेट का उपयोग और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया। इस पथ संचलन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और नगरवासी शामिल हुए। संघ का घोष (बैंड) इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। नगर के साथ-साथ आज ही के दिन घोडाडोंगरी और चिचोली में भी शस्त्र पूजन कर पथ संचलन निकाला गया।

डेम में डूबन से युवक की मौत

बैतूल। रविवार सुबह कोसमी डेम में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक दुर्गा प्रतिमाओं में लगने वाली लकड़ियां निकालने डेम में उतरा था। मृतक की पहचान राजेश पिता साहबलाल

(45) निवासी कोसमी के रूप में हुई है। प्लाटून कमांडर सुनीता पंद्रे ने बताया कि रविवार सुबह बैतूल पुलिस कंट्रोल रूम से युवक के कोसमी डेम में डूबने की सूचना प्राप्त हुई थी। रिजर्व टीम के 5 जवानों के साथ फोर्स मौके पर पहुंची। डेम में नाव की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। राजेश इवने का शव डेम से बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया। प्लाटून कमांडर ने बताया कि मृतक डेम से माता की प्रतिमाओं में लगने वाली लकड़ियों को बटोर रहा था। इसी बीच गहरे पानी में चले जाने से युवक डूब गया और उसकी मौत हो गई। फिलहाल उसका शव जिला अस्पताल भेजा गया है। जहां उसका पीएम करवाया जायेगा।

अचानक बदला मौसम, जिला मुख्यालय पर झमाझम बारिश

बैतूल। जिला मुख्यालय बैतूल सहित अन्य ब्लाकों में रविवार को झमाझम बारिश हुई। बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में फसल कटाई का कार्य प्रभावित हुआ, वहीं बारिश से साप्ताहिक बाजार में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दरअसल रविवार दोपहर बाद अचानक मौसम बदल गया और बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण किसानों की चिंताएं बढ़ गई है। भू अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात से रविवार सुबह 8 बजे तक बैतूल ब्लॉक में 5.4, घोडाडोंगरी 10.0, चिचोली 44.0, शाहपुर 10.2, आमला 12.0, आठनेर 5.2 और भीमपुर में 3.0 मिमी बारिश दर्ज की है। इधर किसानों का कहना है कि बारिश से फसल कटाई का काम प्रभावित हो गया है। कई के खेतों में कटी फसल भीगने से फसल में अंकुरण का खतरा बढ़ गया है। बारिश से किसानों को नुकसान होने की संभावना सबसे ज्यादा बनी है।

गरबा महोत्सव में गोल्ड कॉइन से सम्मानित हुई राखी

बैतूल। औरा बिका निऑन गरबा महोत्सव में सारणी कोलगांव निवासी राखी उईके गोल्ड कॉइन से सम्मानित हुई है। उन्हें यह सम्मान औरा बिका के डायरेक्टर बादल मोटवानी ने प्रथम पुरस्कार के रूप दिया है। उल्लेखनीय है कि औरा बिका के तत्वावधान में लिंक रोड स्थित तरंग लॉन में दो दिवसीय निऑन गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें कोलगांव निवासी राखी ने गरबे की मनमोहक प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोल्ड कॉइन पुरस्कार राठौर ज्वेलर्स की ओर से रखा गया था। राखी को मिले इस सम्मान पर साक्षी नागले, पारुल ठाकरे, खुशी मोटवानी, खुशबु पगरिया, स्वर्णा मानेकर, आदित्य, धैर्य मानेकर सहित परिजनों, ईष्ट मित्रों ने बधाई दी है।

जिला सहकारी संघ मर्यादित बैतूल द्वारा प्रकाशित आरती संग्रह का विधायक ने किया विमोचन

बैतूल। जिला सहकारी संघ मर्यादित बैतूल द्वारा प्रकाशित आरती संग्रह बुक का विमोचन पापुलर विपणन समिति बैतूल गंज प्रांगण में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा किया गया। नवरात्रि के शुभ अवसर पर संघ द्वारा किताब में भगवान की आरती के साथ जिले में संचालित समितियों के साथ भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं का सुन्दर वर्णन किया गया है, जिसका लाभ कृषकों समेत कर्मचारियों को भी मिलेगा, विमोचन कार्यक्रम में समिति सदस्यों और कृषकों को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भारत सरकार सहकारिता को एक नया आयाम दे रही है जिसमें अब सहकारी समितियां आत्मनिर्भर बनेंगी वही जनता को समिति के माध्यम से गुणवत्ता युक्त प्रोडक्ट उचित दमो में उपलब्ध हो सकेंगे। भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं और सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार सभी के लिए लाभकारी है, साथ ही जिला सहकारी संघ मर्यादित बैतूल द्वारा प्रकाशित आरती संग्रह की विशेषताएं बताते हुए उन्होंने कहा कि सहकारिता के विषय में जनता तक जानकारी

पहुंचाने का सराहनीय क़दम है। कार्यक्रम में बतौर अध्यक्ष बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल , मुख्य अतिथि सतीश पाठा जिला पंचायत सदस्य, अतीत पवार पूर्व अध्यक्ष बैतूल नागरिक सहकारी बैंक, दीपक कपूर एवं के.के.शिव उपायुक्त सहकारिता बैतूल, प्रभारी मुख्य कार्यपालिका अधिकारी श्रीमती नीता निगम सहकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कमल पवार उपस्थित थे। इसके साथ ही इफको संस्था के अधिकारी समेत सहकारिता विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं संस्थाओं के सदस्य व कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मंच संचालन अशोक देशमुख प्रबंधक आदिमजाति सेवा सहकारी समिति जामठी द्वारा किया गया।

रंगीन आतिशबाजियों ने किया दर्शकों को मंत्रमुग्ध

धूं-धूंकर जले रावण-कुंभकरण के पुतले

बैतूल। अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व शनिवार जिले भर में आपसी सद्भाव के साथ मनाया गया। शाम को जगह-जगह रावण का दहन विशेष आयोजनों के साथ किया गया। जिले का मुख्य समारोह लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित किया गया। यहां रावण दहन देखने हजारों लोग पहुंचे। जय-जय श्रीराम का

उद्घोष करने में समूचा नगर ही प्रभु श्रीराम की भक्ति में लीन हो गया। यहां दशहरा पर्व मनाने के लिए अच्छी व्यवस्थाएं की गई थी। पूरे स्टेडियम में आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था थी, जिससे समूचा स्टेडियम रात्रि में जगमगा रहा था। जिससे स्टेडियम की रौनक और बढ़ गई। नागरिकों में भी खासा उत्साह था और समूचा स्टेडियम खचाखच भर गया था। छोटे-छोटे बच्चे भी अपने-अपने परिजनों के साथ बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे। जिन्हें पालकों ने अपने कंधों पर बिठाकर रावण दहन का नजारा दिखाया। लगभग 55 फिट रावण और 50 फिट कुम्भकरण का पुतला दहन किया गया। पुतलों की साज-सज्जा इस तरह की गई थी कि सभी इसकी चर्चा करते रहे। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण सहित विजय जुलूस ढोल-ढमाकों पर थिरकते हुए स्टेडियम पहुंचा। जुलूस में शामिल नागरिक ऐसे प्रतीत हो रहे थे जैसे सचमुच में रावण का नाश करने जा रहे हो। स्टेडियम में आतिशबाजी करीब एक घंटे तक जारी रही। एक से बढक़र एक आतिशबाजी से नहाया आसमान देखते ही बन रहा था। जिला मुख्यालय के अलावा जिले भर में रावण दहन किया गया।

नवरात्रि समापन पर मां वैष्णो सेवा समिति द्वारा हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन

भौरा। नगर के बस स्टैंड स्थित मां वैष्णो सेवा समिति द्वारा नवरात्रि के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं की आस्था के प्रतीक स्वरूप मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना की गई थी। नवरात्रि के समापन के उपलक्ष्य में हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नगरवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रतिमा का विसर्जन दशहरे के दूसरे दिन, रविवार को किया जाएगा। शनिवार को नवरात्रि की पूर्णाहुति के अवसर पर विशेष हवन-पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने परंपरागत रीति से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। पूरे आयोजन स्थल पर माता के जयकारों की गूंज रही, और भक्तगण माता के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते दिखे। हवन-पूजन के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के श्रद्धालुओं ने भोजन रूपी प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी, पूड़ी, सब्जी और हलवा आदि का विशेष प्रबंध किया गया था, जिसे भक्तों ने श्रद्धा और प्रसन्नता के साथ ग्रहण किया। आयोजन के दौरान समिति के सदस्यों ने व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजन स्थल की साफ-सफाई और भक्तों की सुविधा का ध्यान रखा गया, जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सके। रविवार को मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन शोभायात्रा के साथ संपन्न किया जाएगा, जिसमें नगर के लोग श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्मिलित होंगे। शोभायात्रा के दौरान नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

श्रीमंत डॉ. राजे मुधोजी भोंसले कल मुलताई और आठनेर में विशेष पूजन के साथ करेंगे भव्य महाआरती

बैतूल। छत्रपति शिवाजी महाराज के 13वें वंशज, श्रीमंत डॉ. राजे मुधोजी भोंसले, कल 15 अक्टूबर 2024 को बैतूल जिले के मुलताई और आठनेर के दिव्य मंदिरों में विशेष पूजन करेंगे। श्रीमंत डॉ. मुधोजी भोंसले नागपुर ट्रस्ट के संस्थापक हैं और मां सूर्यपुत्री ताप्ती एवं मां तुलजा भवानी के अनन्य उपासक माने जाते हैं। उनका इस क्षेत्र में एक दिवसीय दौरा होने जा रहा है, जिसमें वे मुलताई के प्रसिद्ध मां सूर्यपुत्री ताप्ती मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करेंगे और मां तुलजा भवानी मंदिर हिवरा में महाआरती में सम्मिलित होंगे। मां बगलामुखी साधक रविंद्र मनकर ने बताया कि इस विशेष आयोजन में सिवनी जिले के अखंड समाधिस्ट संत शिरोमणि डॉ. सत्यनारायण गिरी गोस्वामी महाराज के दिव्य वैदिक मंत्रों से पूजन संपन्न कराया

जाएगा। डॉ. सत्यनारायण गिरी महाराज को दस महाविद्या उपासक के रूप में जाना जाता है और वे स्वयं तीन माह 13 दिनों की भूमिगत समाधि ले चुके हैं। उनके हजारों शिष्य इस महाआरती में सम्मिलित होंगे। श्रीमंत डॉ. मुधोजी भोंसले के इस आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है। उनका स्वागत पंदुर्णा फोरलेन पर राष्ट्रीय हिन्दू सेना एवं हिन्दू समाज द्वारा किया जाएगा। इसके बाद उनका आगमन मुलताई सर्किट हाउस पर होगा, जहां विभिन्न धार्मिक संगठनों द्वारा स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात वे सूर्यपुत्री मां ताप्ती श्री क्षेत्र के प्राचीन मंदिरों में पूजन करेंगे और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। श्रीमंत डॉ. मुधोजी भोंसले के इस दौरे का समापन आठनेर के मां तुलजा भवानी मंदिर हिवरा में होगा। यहां सद्गुरुदेव डॉ. सत्यनारायण गिरी महाराज के नेतृत्व में माँ जगदम्बा का दिव्य वैदिक मंत्रों से विशेष पूजन संपन्न होगा। इसके बाद विशाल महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समस्त क्षेत्रवासियों और हजारों भक्तगण शामिल होंगे।

ढोल-धमाके के साथ मां के जवारों का भव्य विसर्जन

भौरा। नवरात्रि के नौ दिवसीय अनुष्ठान के समापन पर दशहरा को ग्राम भौरा में श्रद्धा और उल्लास के साथ मां के जवारों का भव्य विसर्जन किया गया। यह धार्मिक यात्रा ग्रामवासियों के लिए आस्था का विशेष अवसर रही, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। जवारे अपने स्थान से शोभायात्रा के रूप में खेड़ापति माता मंदिर की ओर रवाना हुए। वहां पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने मां खेड़ापति की विशेष पूजा-अर्चना कर उनके चरणों में जवारे अर्पित किए। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों और भक्तों ने माता के जयकारों के साथ पूजन विधि संपन्न की। इसके बाद, जवारों की शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई मां बिजासन धाम पहुंची। यहां पर भी मां बिजासन के समक्ष श्रद्धालुओं ने पूजन कर आशीर्वाद लिया और गांव की सुख-समृद्धि की कामना की। माँ बिजासन धाम पर पूजन के बाद, शोभायात्रा नदी तट की ओर बढ़ी। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में नदी तट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत जवारों का विसर्जन किया गया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप पर भक्तों ने नृत्य करते हुए मां की महिमा का गुणगान किया। विसर्जन यात्रा के मार्ग पर जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिरोठिया ने बताया, यह परंपरा हमारे पूर्वजों द्वारा शुरू की गई थी, और आज भी हम पूरे श्रद्धा भाव के साथ इसे निभा रहे हैं। हर वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी ग्रामीणों का भारी समर्थन और सहभागिता इस आयोजन को सफल बनाता है। विसर्जन कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

बुद्धिमान धैर्य पूर्वक कथनों का अर्थ ढूंढकर भगवान की सेवा का अवसर तलाश लेते हैं : प्रणव दास

नर्मदापुरम। सतोगुण ईश वंदना मन को प्रफुल्लित करता है, इतना ही नहीं सतो गुणी आध्यात्मिक चेतना का मन पर गहरा असर होता है। कहा जाता है सुबह तीन बजे से योगी साधना में रत होकर आध्यात्मिक ऊंचाई छूते हैं। ऐसे सतोगुण समय में होने वाली साधना में एक इस्कॉन

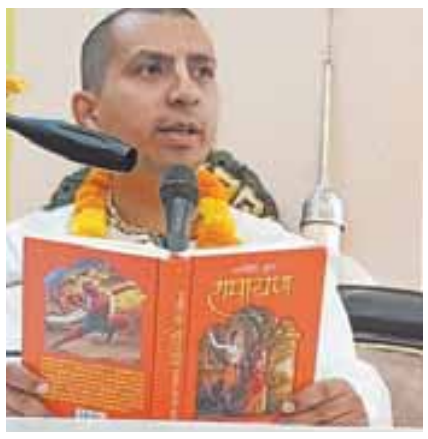

मंदिर नर्मदापुरम भी शामिल हैं उसमें वैष्णव, कृष्ण भक्त भगवान की प्रसन्नता के लिए मूल में भक्ति रखकर भगवान की आराधना तो कर रहे हैं साथ ही सतोगुण समय में उठकर महामंत्र हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे कृष्ण, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे नाम जप करके आध्यात्मिक प्रगति कर रहें.. एलआईसी दफ्तर के उपर द्वितीय तल स्थित इस्कॉन मंदिर में ऐसे ही सतोगुण के

समय आज सुबह पांच बजे होने वाली मंगल आरती में वैष्णवों सहित कृष्ण भक्तों ने शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ लिया। मंदिर प्रमुख प्रणव दास प्रभु के मार्गदर्शन में उन्होंने भगवान कृष्ण की प्रसन्नता के लिए मंगल आरती और हरिनाम संकीर्तन दोहराया, 24 मिनट चली मंगल आरती के पश्चात भगवान नरसिंह देव आराधना और तुलसी पूजा के पश्चात सभी भक्तों ने सतोगुण समय में सामूहिक महामंत्र जप किया। ठीक सवा सात बजे दर्शन आरती और गुरु पूजा के पश्चात भक्तों ने प्रसादम ग्रहण किया यहां सुबह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । फिर दोपहर साढ़े ग्यारह बजे से मंदिर में पुन: भजन कीर्तन के साथ रविवारीय कार्यक्रम आरंभ हुआ। जिसमें विजया दशमी के उपलक्ष्य में आज व्यास गादी से प्रणव दास प्रभु ने कृष्ण भक्तों को राम कथा श्रवण कराई, वाल्मीकि रामायण के किष्किन्धाकाण्ड और सुन्दरकाण्ड से प्रमु जी ने उदाहरण देकर भगवान की निस्वार्थ सेवा कैसे की जाती उसे समझाने का प्रयास किया, बताया किस प्रकार बुद्धिमान व्यक्ति अन्य को बोलने का मौका देते, धैर्य पूर्वक सुनकर, कथन का अर्थ ढूंढ़कर भगवान की सेवा का अवसर तलाशते लेते हैं, इसे प्रभुजी ने सीता माता की खोज में भेजे गये सुग्रीव द्वारा चारों दिशा में भेजें वानर दलों में शामिल एक ऐसे दल का नेतृत्व जिसे कम उम्र के युवराज अंगद कर रहे थे का दृष्टांत बताया। अंगद युवा थे और दल के नायक भी दल में उनसे ज्यादा उम्र के हनुमान और जामवंत महाराज भी शामिल थे, उनमें सामंजस्य था और प्रतिस्पर्धा भी पर यह प्रतिस्पर्धा राम काम-काज को लेकर थी, जो सेवाभाव का अर्थ समझाती है । प्रभु जी ने यहां बताया बुद्धिमान व्यक्ति में आठ विशेषताएं होती है। अन्य को बोलने का मौका देकर वे सुनते और सुन समझकर निर्णय लेते हैं। इसे उन्होंने सागर किनारे खड़े वानर दल द्वारा सीता माता की खोज 100 योजन समुद्र के उस ओर जाकर सीता का पता लगाने पर किए जाने वाले मंत्रणा और विचार से जोड़ा कैसे हनुमान जी मौन रहकर उसे गंभीरता पूर्वक सुन रहे थे फिर जामवंत के समझाने पर वे महेन्द्र पर्वत की तलहटी में जाकर सूर्य, इंद्र, वायु और ब्रह्मा को प्रणाम कर पर्वत की चोटी पर पहुंचे और उन्होंने लंका के लिए प्रस्थान किया। साढ़े बारह बजे प्रारंभ हुई श्री राम कथा लगभग दो घंटे चली जिसका सभी ने रसास्वादन किया। तत्पश्चात दोपहर में भगवान की धूप, दीप, जल, वस्त्र और पुष्प से आरती सम्पन्न हुई। आरती के पश्चात सभी भक्तों ने प्रसादम ग्रहण किया। प्रमु जी ने मंदिर में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही अधिक से अधिक लोगों को मंदिर के कार्यक्रमों से जुड़कर आध्यात्मिक लाभ लेने के लिए आग्रह किया है।

दशहरे पर निकला पथ संचलन

बंगाली कालोनी में पुष्प वर्षा के साथ मातृशक्ति , बच्चे,नागरिक लगा रहे थे वंदे मातरम्,भारत माता की जय के नारे

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। दशहरे के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देनवा ग्रार्डन से पथ संचलन निकाला। पथ संचलन में दिखा अनुशासन संम्पूर्ण रास्ते पर जगह पर हुई पुष्प वर्षा। बंगाली कालोनी में राष्ट्रीयता से ओतप्रोत पुष्प वर्षा के साथ मातृशक्ति, बच्चे, नागरिक लगा रहे थे, वंदे मातरम, भारत माता की जय के नारे। इस अवसर पर देवना गार्डन में शस्त्र पूजा के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाही देवी सिंह मीणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि 99 वर्ष पहले 27 सितम्बर 1925 में संघ की स्थापना हुई थी ।संघ आज 100 वे वर्ष में प्रवेश करते अपना स्थापना दिवस मना रहा है । संघ ने शताब्दी वर्ष में कार्य विस्तार का लक्ष्य लिया है तथा सभी वैचारिक संगठनों को भी कार्य विस्तार करने का आग्रह किया है । श्री मीणा ने आगे कहा कि हमें समाज को पंच परिवर्तन के लिए प्रेरित करना है। जिसमें समरसता , कुटुम्ब, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य एवं स्व का बोध समाज में हो इसके लिए समाज जागरण का कार्य करते हुए संघ कार्य के विस्तार को बढ़ाना है । समाज को एक साथ समाज परिवर्तन के कार्य में लगना है तथा हमें आने वाली चुनौतियां का सामना करने वाला समाज खड़ा करना ही हमारा लक्ष्य है । हमें जातियों की जंजीरों से मुक्त होकर ऐसे समाज का निर्धारण करना है। यदि ऐसा सुनिश्चित कर लें तो निश्चित ही हमारा देश भारत दुनिया का नेतृत्व करने वाला एवं शक्ति संम्पन्न होगा । आपने आव्हान किया कि संगठन की शक्ति से हम भारत को मजबूत करके सक्षम बनाएंगे।

पथ संचलन में

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन में बाल, तरूण,प्रोढ़ एवं व्यवसाई शामिल हुए। सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों के दो घोष दल आर्कषण का केंद्र रहे।

अनुशासन में

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन निर्धारित पथ पर कदमताल करते हुए अनुशासन में देश भक्ति गीत एवं घोष वादन करते हुए निकला।

अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन 17 अक्टूबर गुरुवार को मीना बाजार परिसर में आयोजित होगा : महापौर

देवास। 88वीं दशहरा कृषि कला प्रदर्शनी मीना बाजार स्थानीय कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम आईटीआई ग्राउंड में आयोजित दिनांक 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक है महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार आयोजित मीना बाजार प्रदर्शनी इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा आयोजित की गई है। आयोजित प्रदर्शनी मीना बाजार में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा भी आयोजित होंगे। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ दिनांक 17 अक्टूबर गुरुवार को रात्रि 9 बजे, अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन आयोजित होगाद्य जिसमें देश भर से सुप्रसिद्ध कवियों द्वारा अपना काव्य पाठ की प्रस्तुति दी जावेगी महापौर ने बताया कि देशभर से आने वाले कवियों में श्री विनीत चौहान वीर रस अलवर, डॉ प्रवीण शुक्ला हाश्यरस नई दिल्ली, डॉ कीर्ति काले गीत गजल नई दिल्ली, देव कृष्ण व्यास ओजस्वी गीतकार देवास, डॉ अनिल चौबे हास्य वाराणसी, श्री अभय निर्भीक वीररस लखनऊ, श्री सुनील जी सुनील लाफ्टर चैंपियन मुंबई, श्री जगदीश सेन गीतकार देवास के द्वारा हास्य व्यंग गीत गजल वीर रस से ओत प्रोत करने वाली कविताओं की प्रस्तुति पधारे कवियों द्वारा दी जावेगी द्यइस अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन के सूत्रधार सुप्रसिद्ध देवास की शान कवि शशिकांत यादव, शशि ,सब रस ,देवास के द्वारा संचालन किया जावेगा।

महापौर ने आम नागरिकों से अपील की है कि मीना बाजार में आयोजित इस विराट कवि सम्मेलन में पधारकर देश के विभिन्न शहरों से आए हुए सुप्रसिद्ध कवियों के द्वारा हास्य व्यंग्य गीत गजल वीर रस से ओत प्रोत कविताओं को सुनकर आनंद ले एवं इस कवि सम्मेलन को सफल बनाएं।

विकासखंड स्तरीय नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के लिए युवा उद्यमियों व संस्थाओं से 18 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

नरसिंहपुर। जिले के विकासखंड स्तरीय नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला करेली, गोटेगांव, तेन्दूखेड़ा- चांवरपाठा, सांईखेड़ा एवं चीचली में प्रयोगशालाओं को संचालित करने के लिये संचालनालय किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा सूचना प्रकाशित की गई है। उप संचालक कृषि नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में विकासखंड स्तरीय नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में युवा उद्यमियों/ संस्थाओं द्वारा मृदा नमूना परीक्षण कराये जाने के लिये मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के आवंटन के लिए एमपी ऑनलाईन के माध्यम से प्रस्ताव/ आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। युवा उद्यमी/ कृषि संबद्ध संस्थाएं अपने आवेदन 18 अक्टूबर तक https://mpkrishi.mp.gov.in पोर्टल पर स्वयं एवं एमपी ऑनलाईन कियोस्क केन्द्र के माध्यम से आवेदन पत्र ऑनलाईन कर सकते हैं। आवेदन की संक्षिप्त सूचना विभागीय वेवसाइट https://mpkrishi.mp.gov.in पर उपलब्ध है।

करबला में कब्बालियों का मुकाबला 16 अक्टूबर को

नरसिंहपुर। हजरत सैयदना शेख अब्दुल कादिर जीलानी का 79 वां सालाना उर्स,शाहे-जीशान 15,16,17 अक्टूबर 2024 तक करबला में आयोजित है उक्ताशय की जानकारी कमेटी के सदस्य इलियास ने देते हुए बताया कि 15 अक्टूबर में शाही संदल व चादर शरीफ नया बाजार नरसिंहपुर से रात्रि 7 बजे प्रांरभ होगी।

16 अक्टूबर रात्रि 7 बजे से कब्बालियों का मुकाबला जिसमें शब्बीर सदाकत साबरी राजस्थान ओर अकरम असलम वारसी मुरादाबाद के बीच होगा। व लंगर ओर फातहा का दौर चलता रहेगा। 17 अक्टूबर में महफिल ए रंग व दुआ ए खैर का आयोजन होगा। उर्स व दरगाह कमेटी गौसाबाद के अध्यक्ष सगीर उस्मानी ने शरीके उर्स पाक से दुनियावी व रूहानी फैल हासिल करने की अपील लोगों से की है।

श्रद्धा आस्था और उत्साह के साथ माता की बिदाई

देवास। नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व के समापन पर आज शहर में श्रद्धा आस्था और उत्साह के साथ माता रानी को बिदाई दी गई। नौ दिनों तक विभिन्न पंडालों में विराजित मां दुर्गा भवानी की प्रतिमाओ का विसर्जन जुलूस आज शहर में निकला जिसमें हजारों की संख्या में भक्त शरीक हुए। तकरीबन 70-75 से अधिक प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस की शुरुवात सयाजी द्वार से हुई और शहर के विभिन्न मार्गों से होकर कालूखेड़ी तालाब पहुंची जहाँ प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया। दिन में अचानक आई बरसात के बावजूद लोगों का उत्साह बरकरार रहा।

प्रथम पुण्यतिथि पर सरताज सिंह को याद किया..

नर्मदापुरम। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन में केबिनेट मंत्री रहे बाबू सरताज सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके अनुयायियों ने उन्हें याद किया। इस मौके पर स्थानीय मंगल भवन आईटीआई में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में हंस राय, दिनेश तिवारी, डॉक्टर अतुल सेठा, प्रदीप उर्फ झुन्ना नागर , धनेंद्र राणे, अतुल नीले, मुकेश नागर, गणेश यादव, डीडी गौर, बद्री प्रसाद केवट, आचार्य अविनाश मिश्रा, संकल्प बधिर विशेष संस्था से कपिलेश करेले प्राचार्य अनुलता, श्रीमती मंजू ओंकार ललित ओंकार सहित प्रमुख जन शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी स्व सरताज सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की उनके जीवन पर पंडित दिनेश तिवारी ने प्रकाश डाला कहा कि सरताज सिंह ने जब वह केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री थे उस समय बच्चों को लग लगाई जाने वाली वैक्सीन पर होने वाली मूल्य वृद्धि को रोक कर एक विशेष कदम उठाया था। उन्होंने प्रगति के क्षेत्र में कोई भी ऐसा कार्य नहीं रहा जो उन्होंने आगे बढ़कर किया आज उनके द्वारा किए हुए कार्यों को याद किया जाता है। हंसराय ने कहा की सरताज सिंह ने वन मंत्री रहते हुए, वन क्षेत्र में रहने वाली आदिवासी जनजातियों की सहकारी समितियां को वृक्षारोपण लगाकर उनके मालिकाना हक का पट्टा दिया था वे सभी आज बाबूजी को याद करते हैं। नगर के सुप्रसिद्ध डॉक्टर अतुल सेठ ने ने कहा कि सरताज सिंह ने अपने जीवन में जो कार्य किए हैं उन सभी से हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। केशव अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा इस मौके पर मूक बधिर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था उनको फल वितरित किये गए । कार्यक्रम में पधारे सभी सम्मानित अतिथियों और संकल्प बधिर विशेष संस्था नर्मदापुरम के स्टाफ का आभार मुकेश नागर द्वारा किया गया ।

महिलायें अपनी ताकत को पहचानें और सशक्त बनें : मंत्री श्री पटेल

नरसिंहपुर में शक्ति अभिनंदन अभियान के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए

नरसिंहपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि महिलायें अपनी शक्ति को पहचानें और सशक्त होकर समाज को नई दिशा प्रदान करें। यह उदबोधन मंत्री श्री पटेल ने नरसिंहपुर के सुभाष पार्क चौराहा कॉम्पलेक्स में मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित नारी शक्ति अभिनंदन अभियान कार्यक्रम के समापन के अवसर आयोजित मेधावी कन्या सम्मान समारोह में दिया। इस अवसर पर लोकसभा सांसद चौ. दर्शन सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, पूर्व राज्य मंत्री श्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री अजित जाट, श्री सुनील कोठारी, श्री अजय प्रताप सिंह, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्रीमती निशा सोनी सहित अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद थी। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा जिले की मेधावी छात्राओं व खिलाड़ियों को मेडल एवं उपहार देकर सम्मानित किया। विदित है कि पूरे प्रदेश में महिला और बालिका सशक्तिकरण के लिए दो अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक शक्ति अभिनंदन अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल ने सभी को नवरात्रि पर्व की शुभकामनायें देते हुए कहा कि नवरात्रि के पर्व में शक्ति की उपासना हमारी शक्ति को निखारने का काम करती है। मां नर्मदा का स्वरूप मां का है, यही हमारी ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि वे मध्यम वर्गीय परिवार से आते हैं। परिवार में बेटा हो या बेटी उसके जीवन में चुनौतियां होती हैं। हमारी प्राचीन परम्परा में नारी को ऊंचा दर्जा प्राप्त है। यह आयोजन इस बात को अहसास कराने के लिए किया गया है कि हम वर्तमान में अपनी मातृशक्ति को किस स्थान पर रखते हैं। मंत्री श्री पटेल ने कार्यक्रम में मौजूद मेधावी कन्याओं से अपने संबोधन में कहा कि यह उम्र ऊर्जा की होती है। यहीं से हमारी उड़ान और यहीं से हमारी गलती की शुरूआत होती है।

मंत्री श्री पटेल शस्त्र पूजन में हुए शामिल

पुलिस लाइन में हुआ शस्त्र-पूजन, गोटेगाँव विधायक, कलेक्टर व एसपी ने भी यज्ञ में आहुतियाँ देकर किया शस्त्र -पूजन

नरसिंहपुर। प्राचीन शस्त्र- पूजन परंपरा के अनुरूप विजयादशमी पर्व पर पुलिस लाइन नरसिंहपुर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। गोटेगाँव विधायक श्री महेन्द्र नागेश,पूर्व राज्य मंत्री श्री जालम सिंह पटेल,कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका भी इस शस्त्र-पूजन में शामिल हुए। शस्त्र पूजन कार्यक्रम में अतिथियों एवं अधिकारियों द्वारा सनातन संस्कृति के विधि-विधानों के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच पवित्र यज्ञ में आहुतियाँ देकर शस्त्र पूजन किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर पूरे प्रदेश में दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर धूमधाम के साथ मना रहे हैं। मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधि आज शस्त्र पूजन कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। इस आयोजन के तहत पहली बार शस्त्र पूजन में शामिल होने कि सौभाग्य मिला है इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त करता हूँ। इसके लिए सभी को शुभकामनाएँ। आप सब अपने कर्तव्यों के प्रति सजग व ईमानदार रहें।हमारा संविधान हमें मर्यादा में रहने की सीख देता है। मेरे गुरु परम पूज्य श्री श्री बाबा श्री जी ने

कहा था कि दानवों से लड़ने के लिए महादानव नहीं बनना पड़ता है, बल्कि शक्ति बनना पड़ता है। मंत्री श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना का पर्व है। यह पर्व इसी बात का संदेश देता है कि शस्त्र पूजन करें और साधना व संयम की पराकाष्ठा को मानें। सामर्थ्यवान होने के बावजूद किसी अन्याय नहीं करें। मेरी यह व्यक्तिगत राय है कि शस्त्र पूजन समाज के मूल्यों एवं धर्म की रक्षा के लिए किया जाता है इसलिए शस्त्र रखने वालों को इस साधना की ज़रूरत है, ताकि वह मर्यादित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके। समाज में संतुलन बनाने के लिए हमें जागरूक होना पड़ेगा। विधायक श्री नागेश ने कहा कि सत्य प्रताड़ित हो सकता है किन्तु पराजित नहीं हो सकता है। आज के इस आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद। हम जानते हैं कि बुराई पर अच्छाई की जीत हमेशा होती है। प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष का दशहरा पर्व महिला सशक्तिकरण और सुशासन की प्रतीक लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित किया गया है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा होने के नाते यही मंशा होती है कि हम नियम एवं क़ानून से अपने कर्तव्यों एवं ज़िम्मेदारी का निर्वाह बखूबी कर पाए। क़ानून की आवश्यकता हमें तब होती है जब कोई अपने शक्ति से किसी व्यक्ति के अधिकारों का हनन करता है। इस दिशा में पुलिस की अहम भूमिका होती है। हम यह ध्यान रखें कि हमारा संविधान सर्वोपरि है। आप सभी जिलेवासियों को दशहरे पर्व की शुभकामनाएँ। पुलिस अधीक्षक श्रीमती डेका ने कहा कि हम यह पूजा इसलिए कर रहे हैं, ताकि समाज की बुराई को ख़त्म कर सके। पुलिस परिवार के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पहली बार मंत्री एवं विशिष्ट अतिथियों का आगमन हुआ है यह हमारे लिए खुशी की बात है। प्रकृति में अच्छाई और बुराई दोनों होती है। बुराई को मिटाने के लिए हमें अपनी शक्ति का उपयोग करना होता है।

प्रेम प्रसंग के चलते महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उतारा पति को मौत के घाट

देवास/मोहन वर्मा। सुबह तकरीबन 9:30 बजे एमजीएच अस्पताल से सूचना प्राप्त हुई की विश्वास किरकेट्टा नाम के व्यक्ति को घायल अवस्था में उसकी पत्नी कांता किरकेट्टा ने इलाज हेतु भर्ती कराया एवं इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

मृतक की पत्नी से पूछताछ पर उसने बताया कि बीमा रोड के पास स्थित मैना श्री कॉलोनी में सुबह तकरीबन 8:00 बजे उसके घर पर दो अज्ञात व्यक्तियों ने चोरी करने की नीयत से घर में प्रवेश किया और मृतक की पत्नी के साथ झूमा झटकी की और उसके कान के टॉप्स और अंगूठी ले लिए और फिर महिला से बोला कि समान कहां रखा है मृतक की पत्नी दो अज्ञात व्यक्तियों को अंदर के कमरे में ले गई जहां विश्वास किरकेट्टा सो रहा था । आहट से उसकी नींद खुली तो एक व्यक्ति ने उसके कान के पास में हथोड़ा मारा दूसरे व्यक्ति ने कांता के कान पर बंदूक रख दी और अलमारी खोली पति को खून में देखकर कांता बेहोश हो गई और दोनों अज्ञात व्यक्ति चोरी के सामान और मोबाइल लेकर के भाग गए। होश आने के बाद कांता पड़ोस में रहने वाले अपने मामा को बुलाकर लाई और अपने पति को अस्पताल लेकर गई जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई । मर्ग पंजीबद करने के बाद जांच पश्चात अपराध पंजीबद्ध किया गया घटनास्थल का पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट द्वारा चांस प्रिंट लिए गए व स्निफर डॉग की मदद से भी कुछ ट्रेल प्राप्त हुई मृतक की पत्नी द्वारा बताई गई घटना एवं घटनास्थल निरीक्षण करने के पश्चात फ़रियादी की बातों में विरोधाभास प्रतीत हुआ एवं और अधिक गहराई से जांच की गई तकनीकी अनुसंधान के साथ-साथ आसपास के सीसीटीवी कैमरे देखे गए व आसपास के लोगों से पूछताछ की गई ,पुलिस द्वारा जब हिकमत अमली से मृतक की पत्नी से पूछताछ की तो उसके द्वारा अपने प्रेमी रूपक चौधरी और उसके साथी मित्र के साथ अपराध करना कबूल किया ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विशेष प्रयास म.प्र. बने देश का प्रमुख औद्योगिक केन्द्र

महानगरों में रोड-शो और प्रदेश में आरआईसी से बना निवेश का माहौल

फरवरी-2025 में होने वाली जीआईएस में दिखेगा इसका प्रभावी असर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश तेजी से देश का एक प्रमुख औद्योगिक और निवेश स्थल बनने जा रहा है। हमारी निवेशक-अनुकूल नीतियों, विशाल औद्योगिक बुनियादी ढांचे और विभिन्न राज्यों से सम्पर्क की स्थिति से देश-विदेश के निवेशक मध्यप्रदेश में निवेश के लिये तैयार हुए हैं। राज्य सरकार की सक्रिय पहल, औद्योगिक विकास को गति देने वाली योजनाएँ और निवेशकों को आकर्षित करने सिंगल-विंडो सिस्टम जैसी सुविधाओं से प्रदेश को एक महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की पहल हुई है। इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास कर देश के महानगरों में रोड-शो और प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की जा रही हैं। इनमें उद्योगपतियों से हो रहे निरन्तर सम्पर्क से प्रदेश में निवेश का माहौल बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने वर्ष-2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसमें प्रमुख रूप से माह फरवरी 2025 में दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में होने जा रही है।

इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम, निवेशकों के लिए अनंत संभावनाएं- मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास सरकार की दूरदर्शी योजनाओं और नवीन बुनियादी ढांचे के विस्तार का परिणाम है। राज्य का 1.25 लाख एकड़ में फैला विशाल औद्योगिक भूमि बैंक, 112 विकसित औद्योगिक क्षेत्र और 14 नए ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्रों के प्रस्ताव ने निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहाँ टेक्सटाइल, फार्मा, खाद्य प्र-संस्करण, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे बहु-क्षेत्रीय औद्योगिक क्लस्टर्स ने राज्य को निवेश के लिए एक समृद्ध स्थान बना दिया है। साथ ही राज्य के 7 स्मार्ट शहरों की परियोजना ने इसे डिजिटल और औद्योगिक प्रगति के मामले में और भी आकर्षक बना दिया है।

प्रदेश में औद्योगीकरण के लिए आवश्यक इकोसिस्टम उपलब्ध है। उद्योगों के लिए राज्य में पर्याप्त लैंड बैंक की उपलब्धता है और औद्योगिक प्रयोजन के लिए प्रदेश में 1.25 लाख एकड़ से भी अधिक का लैंड बैंक उपलब्ध है। राज्य शासन द्वारा सेक्टर-फोकस्ड औद्योगिक क्षेत्र भी बनाये गए हैं। भोपाल एवं इंदौर में महिला उद्यमियों के लिए डेडिकेटेड पार्क स्थापित किये गए हैं।

राज्य में तकनीकी, प्रबंधन एवं चिकित्सा क्षेत्र एवं स्किल डेवलपमेंट के लिये कई उत्कृष्ट कॉलेज हैं, जिसके कारण सभी क्षेत्रों के उद्योगों के लिए पर्याप्त संख्या में स्किल्ड वर्क फोर्स की उपलब्धता है। पिछले दो दशकों में राज्य में उद्योगों के माध्यम से 41 लाख नवीन रोज़गार के अवसर उत्पन्न हुए हैं एवं राज्य का अनएम्प्लॉयमेंट रेट काफी कम है।

राज्य शासन द्वारा बुनियादी ढाँचे का निर्माण जैसे औद्योगिक क्षेत्र, सड़क, जल आपूर्ति, सिंचाई और 24X7 बिजली आपूर्ति इत्यादि जरूरतों पर खासा ध्यान दिया गया है। राज्य शासन द्वारा पिछले दशक के दौरान इन्फ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय बनाने के लिये करीब 1.10 लाख करोड़ रूपये खर्च किये गये है। इसके फलस्वरूप पिछले दशक के दौरान मध्यप्रदेश में आर्थिक एवं सामाजिक विकास के रूप में सकारात्मक परिवर्तन देखा गया है।

कनेक्टिविटी एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर औद्योगिक विकास के लिये महत्वपूर्ण पैमाना है। इसको ध्यान में रखते हुये राज्य शासन अटल प्रगति पथ (चंबल प्रोग्रेस-वे) पर नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर रहा है, जिसके लिये भूमि का चिन्हांकन किया जा चुका है। साथ ही नर्मदा एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में भी औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिये भूमि का चिन्हांकन एवं लैण्ड ट्रांसफर प्रक्रियाधीन है। राज्य में विभिन सेक्टरों की 350 से अधिक वृहद् इकाइयां एवं 26 लाख से अधिक MSME इकाइयां स्थापित हैं एवं पिछले दशक में इसमें काफी तेज़ी आई है।

राज्य में 314 से अधिक इंडस्ट्रियल एरियाज हैं। इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा क्षेत्र विशिष्ट औद्योगिक क्षेत्र भी बनाये गए हैं। राज्य में 10 फूड पार्क, 5 आईटी स्पेशल इकोनॉमिक जोन, 2 स्पाइस पार्क, 2 प्लास्टिक पार्क, एक मेडिकल डिवाइस पार्क है, एक पावर इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन है। राज्य शासन द्वारा EV पार्क, फार्मा पार्क, टेक्सटाइल पार्क, गारमेंट यूनिट्स के लिए प्लग एंड प्ले जोन, सेमीकंडक्टर पार्क एवं नवीन आईटी पार्क स्थापित किये जा रहे हैं। राज्य में मेगा इकाइयों को कस्टमाइस्ड इंसेंटिव पैकेज की सुविधा भी दी जाती है।

आग में फंसे परिवार का साड़ी से बांधकर रेस्क्यू

तीसरे फ्लोर पर फंसे थे 5 बच्चों समेत 9 लोग; 10 दमकलों ने पाया काबू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के करोंद इलाके की तीन मंजिला बिल्डिंग में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 3 बजे आग लग गई। थर्ड फ्लोर पर सो रहा एक परिवार लपटों में फंस गया। आग इतनी भीषण थी कि नीचे उतरने का कोई रास्ता नहीं बचा। इसके चलते दीवार पर करीब 30 फीट लंबी सीढ़ी लगा साड़ी से बांधकर 9 लोगों को रेस्क्यू किया गया। इनमें एक बुजुर्ग और 5 बच्चे थे।

घटना करोंद में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है। तीन मंजिला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर मंजूर खान का कबाड़ गोदाम है। आग इसी गोदाम से शुरू हुई और कुछ ही मिनटों में तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। पड़ोसियों के फोन करने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।

फायर फाइटर पंकज यादव ने बताया, बिल्डिंग के थर्ड फ्लोर पर जाने का रास्ता आग से घिरा था। ऐसे में परिवार का हाई रेस्क्यू करने का निर्णय लिया गया। करीब 30 फीट ऊपर तक जाने के लिए दमकल की सीढ़ियों को लगाया गया। इसके बाद निशातपुरा थाने के आरक्षक योगेश सिंह इसी सीढ़ी पर चढ़कर छत पर पहुंचे और परिवार के सदस्यों को बाहर निकाला।फिर पड़ोसी जिम संचालक मो. रजी ने एक के बाद एक लोगों को साड़ी से अपने शरीर से बांधा और सीढ़ियों से उतारा।

बिल्डिंग में 60 साल के बुजुर्ग, 5 बच्चे फंसे थे

पंकज यादव ने बताया कि बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर गोदाम चलाने वाले मंजूर खान का ही परिवार थर्ड फ्लोर पर रहता है। आग की वजह से 60 वर्षीय इकराम खान, हीना, शाहीन बी, हुमैरा बी समेत 12 साल का अफरान, 8 साल का सादिल, 5 साल की जुनेरा, 4 साल का यामीन और 6 महीने की हालिमा ऊपरी मंजिल पर फंसे थे।इकराम दिव्यांग हैं। सबसे पहले उन्हीं को नीचे उतारा गया। इसके बाद बाकी सदस्यों को निकाला।

10 से ज्यादा दमकल-टैंकरों ने 2 घंटे में आग पर काबू पाया

करोंद इलाके की तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लगने की जानकारी मिलते ही पुल बोगदा, फतेहगढ़, छोला और गांधीनगर से 10 से अधिक दमकलें और पानी के टैंकर मौके पर पहुंचे। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान पूरे इलाके की बिजली बंद करा दी गई थी।

आग लगने की वजह सामने नहीं आई

तीन मंजिला मकान के गोदाम में आग कैसे लगी, इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को इसकी वजह माना जा रहा है। पटाखों की चिंगारी से भी आग लगने का भी अंदेशा जताया गया है।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के पहले रीवा को एयरपोर्ट की सौगात

21 अक्टूबर को पीएम मोदी बनारस से करेंगे वर्चुअली लोकार्पण, प्रदेश को मिलेगा छठा एयरपोर्ट

भोपाल (नप्र)। रीवा में 23 अक्टूबर को होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के पहले संभाग के नागरिकों को एयरपोर्ट की सौगात मिलेगी। पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअली इस एयरपोर्ट की सौगात मध्यप्रदेश के लोगों को देंगे। इसके लोकार्पण के बाद एमपी में 72 सीटर हवाई जहाज उतरने की व्यवस्था शुरू हो जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उनकी कैबिनेट के अधिकांश मंत्री 23 अक्टूबर को रीवा में रहेंगे। इसके पहले रीवा विधायक और डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के प्रयासों से रीवा में एयरपोर्ट बनाने का काम पूरा होने पर रीवा को नए एयरपोर्ट की सौगात दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक नवनिर्मित रीवा एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अक्टूबर को बनारस से वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। मुख्य समारोह रीवा एयरपोर्ट परिसर में होगा।

ये रहेंगे कार्यक्रम में मौजूद

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री भी शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट में कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया और बैठक भी की है। एयरपोर्ट में हुई बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट विन्ध्य के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। रीवा एयरपोर्ट विन्ध्य के विकास के लिए बड़ा कदम साबित होगा। अब रीवा में 72 सीटर हवाई जहाज उतरने की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। इससे पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षा, व्यापार तथा उद्योगों के विकास में तेजी आयेगी। उन्होंने लोकार्पण समारोह के लिए सभी तैयारियां तय समय सीमा में पूरी करने को कहा है।

अब तक पांच एयरपोर्ट, रीवा में होगा छठवां हवाई अड्डा

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, खजुराहो में अभी एयरपोर्ट हैं। इसके बाद अब रीवा में प्रदेश का छठा एयरपोर्ट शुरू होने वाला है। राज्य सरकार अब आने वाले सालों में दतिया, उज्जैन, शिवपुरी, गुना, सतना की हवाई पट्टियों को एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। दतिया को हवाई अड्डा बनाने की घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में की गई थी। इसके अलावा प्रदेश के 31 जिलों में हवाई पट्टियां हैं जहां छोटे विमान उतारे जा सकते हैं।

एयरपोर्ट बनाने डेढ़ साल पहले हुई थी शुरुआत

- रीवा एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 290 एकड़ ज़मीन खरीदी जा रही है। इसमें से 137 एकड़ ज़मीन वीएफआर संचालन के लिए और 153 एकड़ ज़मीन आईएफआर संचालन के लिए जरूरी है।
- परियोजना में रनवे पट्टी की ग्रेडिंग करना, मौजूदा 1400 मीटर लंबे रनवे को मजबूत करना और 750 वर्ग मीटर का टर्मिनल बनाना शामिल है।
- एयरपोर्ट के विस्तार की कुल लागत 288 करोड़ रुपए है।
- एयरपोर्ट के विस्तार का शिलान्यास 15 फरवरी 2023 को पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था।

6 महीने में शुरू होंगे रु 2411 करोड़ के 2 प्रोजेक्ट

भोपाल का दूसरा 6 लेन बनेगा अयोध्या बाइपास, टेंडर खुले; अप्रैल से शुरुआत

भोपाल (नप्र)। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया भोपाल में डेवलपमेंट के दो बड़े प्रोजेक्ट अगले 6 महीने में शुरू कर देगा। ये प्रोजेक्ट 2411 करोड़ रुपए के हैं। 4 लेन अयोध्या बाइपास को 6 लेन में बदला जाएगा, जबकि रत्नागिरी से मोरीकोड़ी (विदिशा) रोड फोरलेन बनेगा। इनके टेंडर खुल चुके हैं। अगले साल अप्रैल से काम शुरू होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार ने अयोध्या बाइपास सिक्सलेन को 8 महीने पहले मंजूरी दी थी। इसके बाद से ही एनएचएआई टेंडर समेत अन्य प्रोसेस में जुटा है। नवंबर-दिसंबर तक अवॉर्ड भी हो सकता है।

एयरपोर्ट-रेलवे स्टेशन से कनेक्टिविटी बेहतर होगी- सिंधिया चौराहे से रत्नागिरी तिराहा तक 16.43 किमी लंबे मौजूदा 4 लेन बाइपास को 6 लेन किया जाएगा। इसमें कुल 1315.25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। एनएच-46 के 6 लेन बनने के बाद एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। वहीं, इस प्रोजेक्ट में कुल 8 फ्लाईओवर और 1 एलिवेटेड कॉरिडोर भी बनेंगे।

भोपाल का दूसरा सिक्सलेन होगा- भोपाल का यह दूसरा सिक्सलेन होगा, जिसका काम या तो चल रहा है या फिर अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगा। पहला 15.10 किलोमीटर लंबा सिक्सलेन कोलार में बनाया जा रहा है।

8 फ्लाईओवर-1 एलीवेटेड कॉरिडोर भी बनेंगे- इस प्रोजेक्ट में सिक्सलेन के साथ पेव्ड शोल्डर भी शामिल हैं। 8 फ्लाईओवर और एक रेलवे ओवरब्रिज यानी आरओबी भी बनेगा। कुल 58 जंक्शन होंगे। 3 वाइडक्ट, 70 शेल्टर, 32 कल्वर्ट बनाए जाएंगे।

विदिशा रोड फोरलेन में तब्दील होगा- भोपाल के रत्नागिरी चौराहे से विदिशा के मोरीकोड़ी तक एनएच-146 को फोरलेन में तब्दील किया जाएगा। यह कुल 42.02 किमी लंबा होगा। जिसमें कुल 1096 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। अभी यह टूलेन है। फोरलेन बनने से हर रोज लाखों लोगों को फायदा मिलेगा।

सिक्सलेन बनने से ये फायदे होंगे

- कानपुर से आने वाले और भोपाल बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट तक जाने वाले वाहन बिना किसी रुकावट के पहुंच सकेंगे।
- गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया से आने वाले ट्रैफिक के लिए यह फायदेमंद साबित होगा, जो कानपुर और कांडला की ओर जाना चाहते हैं।
- पुराने शहर और बैरागढ़ आने-जाने वाले लोगों को भी फायदा होगा। बैरागढ़ में कपड़े का थोक मार्केट है। इससे कपड़ा और गारमेंट्स आपूर्ति बेहतर हो सकेगी।
- एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले लोगों को एक बेहतर रास्ता मिल सकेगा।
- भोपाल रेलवे स्टेशन के आसपास ट्रैफिक समस्या रहती है। ऐसे में यदि कोई कानपुर जाना चाहता है, तो इस मार्ग से बिना ट्रैफिक के गुजर सकते हैं।
- अयोध्या बाइपास की 8 लेनिंग स्थानीय ट्रैफिक और माल यातायात को अलग करने के लिए भी उपयोगी साबित होगी। इससे दिन के समय में ट्रैफिक की आवाजाही में आसानी होगी और हादसों में भी कमी आएगी।
- सांची, विदिशा जैसे पर्यटन स्थलों की एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी और बेहतर होगी।
- सर्विस लेन के साथ एलीवेटेड कॉरिडोर भी बनेगा।
- सिक्सलेन बनाए जाने के बाद दोनों ओर सर्विस लेन बनेगी। 5.8 किलोमीटर लंबा एलीवेटेड कॉरिडोर भी बनाया जाएगा। इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बनेगी। सिक्सलेन के लिए अयोध्या बाइपास के साइड में लाइनिंग भी की गई है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मुरझाने लगे भाजपा नेताओं के चेहरे

कहते हैं निगम-मंडलों में नियुक्ति की आस में अब भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के चेहरे मुरझाने लगे हैं। राज्य में करीब तीन दर्जन निगम-मंडल हैं। पिछले दिनों एक-दो आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति से दावेदारों के चेहरे खिले थे और उम्मीद जगी थी कि नवरात्रि में उनकी किस्मत चमकेगी,पर नवरात्रि बीत जाने के बाद भी निगम-मंडल और आयोगों में नियुक्ति की कतार नहीं लगी। चर्चा है कि प्रदेश उपाध्यक्ष स्तर के एक-दो पदाधिकारियों को सदस्य का झुनझुना पकड़ा देने से वरिष्ठों का उत्साह काफूर हो गया है। बताते हैं कुछ नेता और कार्यकर्ता तो अब गुस्से में आ गए हैं और कहने लगे हैं निगम-मंडल और आयोग में नियुक्ति करना है तो ठीक नहीं तो ठीक। यही हाल मंत्रिमंडल विस्तार का भी है। रह-रहकर कैबिनेट विस्तार की हवा चलती है और फिर बंद हो जाती है। बताते हैं विस्तार की हवा बहना बंद होने से मंत्री पद के दावेदार विधायकों की नींद उड़ जाती है।

साय के राज में सुपर सीएम की तलाश

छत्तीसगढ़ में डॉ रमन सिंह की सरकार में अमन सिंह को सुपर सीएम कहा जाता था तो भूपेश बघेल की सरकार में सौम्या चौरसिया को। अमन सिंह भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी थे। सौम्या चौरसिया डिप्टी कलेक्टर थी। मुख्यमंत्री सचिवालय वरिष्ठ और कनिष्ठ आईएएस अफसरों के होने के बाद भी रमन सरकार में अमन सिंह का और भूपेश सरकार में सौम्या चौरसिया का अलग ही दबदबा था। विष्णु देव साय की सरकार में आईएएस पी. दयानंद, आईपीएस राहुल भगत, आईएएस बसवराजू एस मुख्यमंत्री के सचिव हैं, तो उमेश कुमार अग्रवाल, डॉ. सुभाष राज, हितेश बघेल समेत कई ओएसडी भी हैं। साय सरकार में अब तक किसी अफसर के भारी पावरफुल होने की खबर नहीं आई है, ऐसे में लोग विष्णुदेव साय की सरकार में भी सुपर सीएम की तलाश में लग गए हैं। कहते हैं राहुल भगत और उमेश अग्रवाल विष्णुदेव साय के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। साय जब केंद्रीय राज्य मंत्री थे, तब राहुल भगत उनके सचिव थे।

'चर्चा' वाले मंत्री और सचिव

इन दिनों छत्तीसगढ़ में हर फ़ाइल में 'चर्चा' लिखने वाले एक मंत्री जी और उनके सचिव की बड़ी चर्चा है। कहते हैं मंत्री महोदय फाइलों को सीधे-सीधे निपटाने की जगह हर फाइल में चर्चा लिख देते हैं। खबर है कि यही हाल उनके विभाग के सचिव साहब का भी है। वे भी नीचे के अफसरों से चर्चा किए बिना फ़ाइल ऊपर भेजते नहीं हैं। 'चर्चा' के फेर में फाइलें अटकी रहती है। मजेदार बात है, मंत्री जी पहली बार सरकार में शामिल हुए हैं और सचिव महोदय भी पहली बार स्वतंत्र रूप से विभाग चला रहे हैं। मंत्री जी और सचिव महोदय दोनों ही नए जमाने के हैं, फिर 'चर्चा' का ब्रेक क्यों लगाते हैं, लोगों को समझ नहीं आ रहा है। चर्चा के चक्कर में लोगों को अपने काम के लिए ज्यादा चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी माथा पकड़ने लगे हैं। लोग कहने लगे हैं अनुभव का मुकाबला नहीं है।

रायपुर दक्षिण के लिए भाजपा नेताओं की रेस

कहते हैं कांट-छाँट के बाद रायपुर दक्षिण की टिकट के लिए भाजपा के दो नेताओं में जबर्दस्त संघर्ष की स्थिति है। कहा जा रहा है कि इन दो नेताओं में से किसी एक को पार्टी रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ा सकती है। खबर है कि टिकट के लिए भाजपा के जिन दो नेताओं में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, उनमें एक सांसद बृजमोहन अग्रवाल के समर्थक हैं तो दूसरे नेता को संगठन का समर्थन है। वैसे इन दो नेताओं के नाम टॉप पर चलने के बाद भी दूसरे दावेदार हताश नहीं हुए हैं। दो-तीन लोग तो वरदहस्त के बिना ही दौड़ में बने हैं। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ रायपुर दक्षिण विधानसभा में उपचुनाव हो जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि यहां उपचुनाव की घोषणा अगले हफ्ते तक हो जाएगी।

'दलाली' में मस्त ई.ई. साहब

कहते हैं राजधानी में सिंचाई विभाग में पदस्थ एक कार्यपालन अभियंता (ई. ई.) परियोजनाओं और सिंचाई सुविधाओं के विकास को छोड़कर 'दलाली' में लगे रहते हैं। कहा जा रहा कि ई.ई. साहब को 'दलाली' का खून लग गया है। चर्चा है कि कांग्रेस की सरकार में भी ई.ई. साहब 'दलाली' में मशगूल रहते थे, भाजपा की सरकार में भी वही कर रहे हैं। खबर है कि ई.ई. साहब ने 'दलाली' के काम को अंजाम देने के लिए एक अलग ठिकाना भी बना रखा है। इस कारण ई.ई. साहब सरकारी दफ्तर में कम और ठिकाने में ज्यादा पाए जाते हैं। हवा है कि ई.ई. साहब सिंचाई विभाग में ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर ठेकों में भी जोर लगाते हैं।

क्या छत्तीसगढ़ को भूल गए कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ?

छत्तीसगढ़ के पांच राज्यसभा सांसदों में चार कांग्रेस के हैं। फूलोदेवी नेताम को छोड़कर तीन अन्य राजीव शुक्ला, के टी एस तुलसी और रंजीत रंजन का छत्तीसगढ़ से सीधा संबंध नहीं है। छत्तीसगढ़ के कोटे से ये राज्यसभा पहुँच गए हैं। कहते हैं गाहे -बगाहे रंजीत रंजन के छत्तीसगढ़ आने की खबर यहां के लोगों को मिल जाती है, पर राजीव शुक्ला और के टी एस तुलसी का आगमन ही नहीं हो रहा है। राज्य में कांग्रेस की सरकार रहते तक तो सांसदों का आना -जाना लगा रहा। सरकार के जाने के साथ शायद वे छत्तीसगढ़ को भूल गए। कुछ साल पहले तक शंकर नगर रोड़ में के टी एस तुलसी का बोर्ड दिखता था। अब वह भी नजर नहीं आता। लोग सवाल उठा रहे हैं कि सांसद राज्य का दौरा ही नहीं करेंगे तो यहां की समस्याओं से कैसे अवगत होंगे और यहां की जनता की बात संसद में कैसे उठाएंगे ?

सकते में छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसर

महादेव सट्टा मामले में कर्ताधर्ता सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी से छत्तीसगढ़ के कई राजनेता,पुलिस अधिकारी और कर्मचारी सकते में बताए जाते हैं। सरकार महादेव सट्टा की जाँच सीबीआई के हवाले कर दी है। महादेव सट्टा मामले में राज्य के कई नेताओं और पुलिस अफसरों के नाम सामने आए हैं। कहते हैं सौरभ चंद्राकर अभी इंटरपोल के कब्जे में है। इंटरपोल उसे भारतीय पुलिस के सुपुर्द करेगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई बढ़ेगी। कहा जा रहा है कि सौरभ चंद्राकर के बयान पर कई नेताओं और अफसरों का भविष्य टिका है।

निजी विवि विनियामक आयोग के अध्यक्ष के लिए दौड़

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष के पद के लिए एक दर्जन से अधिक दावेदार बताए जाते हैं। कहते हैं कि अध्यक्ष पद के लिए तीन-चार रिटायर्ड कुलपति ने भी आवेदन किया है। कुछ रिटायर्ड प्राचार्य भी दौड़ में हैं। आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल को करनी है। इसके लिए सरकार प्रस्ताव भेजती है। आयोग के अध्यक्ष के पद पर शिक्षाविद को ही नियुक्त किए जाने का प्रावधान है, इस कारण इस पद के लिए रिटायर्ड कुलपति और प्राचार्यों की कतार लग गई है।